सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 359 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 11 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

छत्तीसगढ़ में सक्रिय तीन बड़े नक्सलियों ने किया तेलंगाना में आत्मसमर्पण

बीजापुर। छत्तीसगढ़ में सक्रिय रहे तीन बड़े नक्सलियों ने तेलंगाना पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। तीन दशकों तक नक्सली संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाने वाले कुकंती वैंकटैया उर्फ रमेश उर्फ विकास, मोमिलिडला वेंकटराज उर्फ राजू उर्फ चंदू और तोडेम गंगा सोनू उर्फ सोनी ने तेलंगाना पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया है।

कुकंती वैंकटैया, दक्षिण बस्तर डिवीजन का डिवीसीएम और वरिष्ठ माओवादी नेता रहा है। 36 वर्षों से नक्सल संगठन में सक्रिय रहा था। वहीं मोमिलिडला वेंकटराज डिवीसीएम और एसीसीएम सदस्य रहा, जो 35 वर्षों से भूमिगत था। इसी तरह तोडेम गंगा सोनू एससीएम सदस्य और जनता सरकार प्रभारी 21 वर्षो से माओवादी संगठन से जुड़ी थी। तीनों वरिष्ठ माओवादी नेताओं का संगठन की हिंसक विचारधारा से मोह भंग हुआ और वह मुख्य धारा में शामिल होकर सामान्य जीवन जी ने की इच्छा रखते हैं। आत्मसमर्पण की यह बड़ी सफलता तेलंगाना और छत्तीसगढ़ पुलिस के ताजा अभियान के प्रति बढ़ते विश्वास का परिणाम माना जा सकता है।

बीजापुर में आईडी ब्लास्ट, कोबरा बटालियन का जवान घायल

बीजापुर। जिले के थाना उसूर क्षेत्र के पुजारी कांकेर क्षेत्र में शनिवार को माओवादियों के लगाए गए प्रेशर आइईडी में विस्फोट होने से कोबरा बटालियन का एक जवान मामूली रूप से घायल हुआ है। घटना उस समय हुई जब एफओबी पुजारी कांकेर से कोबरा 206 बटालियन की टीम एरिया डामिनेशन ड्यूटी पर निकली थी। सुरक्षा बलों ने घायल जवान को तत्काल मौके से सुरक्षित निकालकर बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रवाना किया। अधिकारियों ने बताया कि घायल जवान की हालत अब सामान्य है और वह खतरे से बाहर है। सुरक्षा बलों ने आसपास के क्षेत्र की घेराबंदी कर सर्चिंग तेज कर दिया है।

देश में शुरू हुआ पीएम धन धान्य कृषि योजना व दलहन आत्मनिर्भरता मिशन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया शुभारंभ, छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय वर्चुअल रूप से हुए कार्यक्रम में शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कृषि क्षेत्र के लिए 35,440 करोड़ रुपये की दो बड़ी योजनाएं शुरू की। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आइएआरआइ) के एक विशेष कार्यक्रम में पीएम मोदी ने पीएम धन धान्य कृषि योजना व दलहन आत्मनिर्भरता मिशन की शुरुआत की। पीएम धन धान्य कृषि योजना का परिव्यय 24,000 करोड़ रुपए है। वहीं दलहन आत्मनिर्भरता मिशन के लिए 11,440 करोड़ रुपए के व्यय का प्लान किया गया है। कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने देशभर के किसानों को संबोधित किया। वहीं विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री और व प्रशासनिक अधिकारी वर्चअली कार्यक्रम से जुड़े। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी वर्चुअली इस कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके लिए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषक सभागार में भव्य समारोह का आयोजन किया गया।

धन धान्य कृषि योजना' का उद्देश्य कृषि उत्पादकता बढ़ाना और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाना है। दलहन में 'आत्मनिर्भरता मिशन' का लक्ष्य दालों की उत्पादकता में सुधार करना है। कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने देशभर के 100 जिलों के चयन का जिक्र किया जहां धान व दलहन की उपज कम होती है। इन जिलों को इन दोनों योजनाओं से जोड़कर पैदावार बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया। योजना के तहत चयनित जिलो में छत्तीसगढ़ के तीन जिले दंतेवाड़ा, कोरबा व जशपुर को भी शामिल किया गया है। इन तीनों जिलों के किसानों को इन दोनों ही योजनाओं का लाभ मिलेगा।

योजना के पांच प्रमुख उद्देश्य

प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना में 24,000 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इस योजना के पांच मुख्य उद्धेश्य है। इसमें पहला है कृषि उत्पादकता को बढ़ाना, दूसरा है फसल विविधीकरण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करना, तीसरा पंचायत और ब्लॉक स्तर पर फसल-उपरांत भंडारण क्षमता बढ़ाना, विश्वसनीय जल पहुंच के लिए सिंचाई बुनियादी ढांचे में सुधार करना और पांचवां उद्धेश्य है कि किसानों के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक कृषि ऋण तक अधिक पहुंच को सक्षम बनाना।

प्रधानमंत्री की कृषि क्षेत्र को हजारों करोड़ की सौगात

प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना के तहत सरकार देश के 100 जिलों में कृषि उत्पादन को बढ़ाने, किसानों को कर्ज देने, सिंचाई और फसलों में विविधता और फसल प्रबंधन को बेहतर करने का लक्ष्य तय किया गया है। साथ ही पीएम मोदी ने दालों में मामले में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए छह वर्षीय मिशन योजना की भी शुरुआत की। यह योजना 11,440 करोड़ रुपये की है। करीब 3,650 करोड़ रुपए की लागत से कृषि आधारभूत ढांचा फंड योजना की शुरुआत की गई है। पशुपालन के लिए 17 विभिन्न प्रोजेक्ट्स के लिए करीब 1166 करोड़ रुपए भी जारी किए गए हैं।

मतस्य पालन योजना और फुड प्रोसेसिंग उद्योग पर भी फोकस

पीएम मोदी ने मतस्य पालन योजना के लिए भी करीब 693 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। फूड प्रोसेसिंग उद्योग को बढ़ावा देने के लिए करीब 800 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। सरकार किसानों के बीच प्राकृतिक खेती को लोकप्रिय करने के लिए भी योजना चला रही है। विशेष कृषि कार्यक्रम में हिस्सा लेने से पहले पीएम मोदी ने विभिन्न किसानों से मुलाकात की और उनसे कृषि क्षेत्र की चुनौतियों और इस क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक बदलावों पर चर्चा की।

पिछली सरकारों ने किसानों को उनके हाल पर छोड़ दिया

कृषि योजनाओं के लॉन्च के बाद अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा, 'आज 11 अक्टूबर का दिन बहुत ऐतिहासिक है। आज भारत माता के दो महान रत्नों की जयंती है जिन्होंने इतिहास रचा। भारत रत्न जयप्रकाश नारायण और भारत रत्न नानाजी देशमुख, ये दोनों महान सपूत ग्रामीण भारत की आवाज थे, लोकतांत्रिक क्रांति के अग्रदूत थे। वे किसानों और गरीबों के कल्याण के लिए समर्पित थे। आज इस ऐतिहासिक दिन पर देश की आत्मनिर्भरता और किसानों के कल्याण के लिए दो महत्वपूर्ण नई योजनाओं का शुभारंभ किया जा रहा है।

योजना के लिए सीएम साय ने जताया पीएम मोदी का आभार

कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से शामिल हुए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया है। रायपुर के इंदिरागांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषक सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सीएम साय ने कहा कि देश में नरेन्द्र मोदी की सरकार किसानों की हितैशी सरकार है। इसी का परिणाम है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज पीएम धन धान्य कृषि योजना व दलहन आत्मनिर्भरता मिशन की शुरुआत की। योजना के तहत कम उत्पादन वाले 100 जिलों का चयन स्वागत योग्य है। इस योजना के तहत छत्तीसगढ़ के तीन जिले दंतेवाड़ा, कोरबा व जशपुर का चयन किया गया। आने वाले दिनों में इन तीनों जिलों में इस योजना का लाभ दिखने लगेगा।

दुर्ग में युवक की हत्या, रात को घर से निकला और सुबह मिली मौत की खबर, तीन संदेही हिरासत में

दुर्ग कोतवाली थाना क्षेत्र की घटना, पंचशील नगर का निवासी था मृतक

भिलाई। दुर्ग के नयापारा पंचशील नगर में पत्थर से कुचलकर की युवक की हत्या कर दी गई है। मृतक की पहचान शिवपारा दुर्ग निवासी अनिल यादव (35) के रूप में की गई है। अनिल रात के 11 बजे घर से निकला था और शनिवार की सुबह घर वालों को उसकी मौत की खबर मिली। मामले में दुर्ग कोतवाली पुलिस तीन संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार दुर्ग के नयापारा पंचशील नगर में शनिवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब लोगों ने एक अज्ञात युवक का शव देखा। करवाचौथ की खुशियों के बीच खून से लथपथ शव मिलने से पूरे क्षेत्र में दहशत और सनसनी का माहौल बन पड़ा। लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई और तुरंत इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी गई। दुर्ग सिटी कोतवाली टीआई तापेश सिंह नेताम और पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

प्रारंभिक जांच में सिर पर पत्थर से कुचलने का निशान और खून देखकर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। लाश मिलने के कुछ देर बाद पुलिस ने मृतक की शिनाख्त शिवपारा निवासी अनिल यादव के रूप में कर दिया। अनिल रात में लगभग 11 बजे बिना नंबर वाली स्कूटी लेकर घर से निकला था। जिस जगह पर लाश मिली है, उसी के सामने स्कूटी गिरी पड़ी थी। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरे का फुटेज खंगाला और तीन संदेहियों को हिरासत में ले लिया। तीनों संदेहियों से पुलिस पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि अनिल यादव की दो बेटियां हैं। उसकी पत्नी करवा चौथ का व्रत होने के कारण देर रात तक उसका इंतजार कर रही थी। अनिल ई-रिक्शा चलाने और पुताई का काम करता था।

संपादकीय

कांग्रेस संगठन मजबूत होगा?

कोई भी राजनीतिक दल तब ही मजबूत होता है,जब उसका संगठन बूथ लेवल तक मजबूत होता है। जब राजनीतिक दल बूथ लेवल पर वाकई मजबूत होता है तो ही राजनीतिक दल चुनाव जीतता भी है। यानी किसी राजनीतिक दल के चुनाव जीतने या हारने का एक कारण यह भी होता है कि उसका संगठन बूथ लेवल तक मजबूत है या नही है। जब कोई राजनीतिक चुनाव हार जाता है तो कहा जाता है कि उसका संगठन बूथ लेवल तक मजबूत नहीं था, इसी तरह कोई राजनीतिक दल चुनाव जीत जाता है तो कहा जाता है उसकी जीत का एक प्रमुख कारण संगठन बूथ लेवल तक मजबूत था।

पिछला चुनाव छत्तीसगढ़ में भाजपा जीती है तो माना जाता है कि उसका संगठन बूथ लेवल तक मजबूत था, इसलिए व चुनाव जीती और कांग्रेस चुनाव हारी इसीलिए कि उसका संगठन बूथ लेवल तक मजबूत नहीं था। राजनीतिक दल की मजबूती के लिए सबसे ज्यादा जरूरी होता है कि बूथ लेवल तक संगठन को कैसे मजबूत किया जाए।कांग्रेस चुनाव के बाद चुनाव हार रही है, वह छत्तीसगढ़ में भी पिछला विधानसभा चुनाव हार गई तो अब वह चुनाव में हार का कारण कमजोर संगठन को मानते हुए अब संगठन को मजबूत करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस प्रक्रिया का नाम उसने रखा है कि संगठन सृजन अभियान। इसके अभियान के लिए जिले में दिल्ली से पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं।हर जिले में यह पर्यवेक्षक जा रहे हैं और जिला अध्यक्ष के लिए कांग्रेस के जिले के वरिष्ट नेताओं से चर्चा करेंगे, वह जिला अध्यक्ष व पीसीसी के आब्जर्वर से चर्चा करेंगे, ब्लाग के पदाधिकारियों से चर्चा करेंगे,समाज से जुड़े प्रमुख लोगों से बात करेंगे, आखिरी दिन जिला अध्यक्ष के दावेदारों से चर्चा करेंगे। इसके बाद दावेदारों का एक पैनल बनाया जाएगा और एआईसीसी उनमें से किसी एक को जिला अध्यक्ष बनाएगी। यानी इस बार जिला अध्यक्ष राज्य अध्यश्र और वरिष्ठ नेताओं की पसंद की जगह दिल्ली की पसंद से बनाए जाएंगे।

कांग्रेस में संगठन में नियुक्ति आजादी के बाद से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व राज्य के वरिष्ठ नेताओं के अनुसार होती रही है। तब भी कांग्रेस का संगठन मजबूत हुआ करता था और चुनाव जीतता भी था। पहली बार जिला अध्यक्षो की नियुक्ति दिल्लीसे करके संगठन को मजबूत करने नया प्रयोग किया जा रहा है। सवाल उठता है कि दिल्ली को ऐसा करने की जरूरत क्यों महसूस हुई। क्या आलाकमान को लगा कि राज्य के नेताओं की गुटबाजी के कारण कांग्रेस संगठन के रूप में कमजोर हुई और इसी कारण चुनाव ज्यादा हार रही है। क्या आलाकमान को यह लगा कि नेताओं की गुटबाजी के कारण कांग्रेस पदाधिकारियों की आस्था अपने जिला,प्रदेश के नेता के प्रति है, कांग्रेस और दिल्ली के नेताओं के प्रति नहीं है। इससे कांग्रेस में जिले व प्रदेश का नेता जिला अध्यक्ष के लिए सबकुछ होता है। उसके लिए पार्टी व आलाकमान कोई मायने नहीं रखता है, पार्टी की विचारधारा कोई मायने नहीं रखती है। नेता दूसरी पार्टी में चला जाता है उसके समर्थक भी उसके साथ चले जाते हैं।

क्या अब आलाकमान चाहता है कि पार्टी को जिला अध्यक्ष उसके प्रति आस्था रखे, जिले के बारे में जो बताना है वह खुद बताए। यह तो एक तरह से जिलों व प्रदेश नेताओं के प्रति आलाकमान ने अविश्वास व्यक्त कर दिया है कि तुम लोग कांग्रेस को संगठन के तौर पर मजबूत नहीं कर पा रहे हो, संगठन मे सबकुछ तुम्हारी मर्जी से होता है फिर भी कांग्रेस संगठन के तौर पर कमजोर है एक चुनाव जीतने के बाद दूसरा चुनाव जीत नहीं पाती है। क्या दिल्ली की मर्जी से जो जिला अध्यक्ष बनाए जाएंगे, उससे कांग्रेस का संगठन जिला स्तर पर मजबूत हो सकेगा. फिलहाल तो यही सवाल कांग्रेस व आम लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।रायपुर जिले के अध्यक्ष के लिए पर्यवेक्षक प्रफुल्ल गुडाथे रायपुर पहुंच गए हैं।वह हर स्तर पर चर्चा के बाद जिला अध्यक्ष के दावेदारों का पैनल बनाकर दिल्ली ले जाएंगे।

रायपुर शहर व ग्रामीण से जिला अध्यक्ष के लिए कई लोगों के नाम सामने आए हैं। इसमें ऐसे लोग भी है जो पहले कई पदों पर रह चुके हैं तथा कई लोग अभी भी किसी पद पर है लेकिन वह जिला अध्यक्ष बनना चाहते हैं क्योंकि इस बार जिला अध्यक्ष पहले के जिलाअध्यक्षों से ज्यादा अधिकार वाला होगा, उसकी पहुच दिल्ली व राहुल गांधी तक होगी। शहर जिला अध्यक्ष के दावेदारों में विनाद तिवारी,सुबोध हरितवाल, श्रीकुमार मेनन, देवेंद्र यादव, शिवसिह ठाकुर, दीपक मिश्रा,सुनील कुकरेजा, पंकज मिश्रा,घनश्याम राजू तिवारी,सुनील कुमार बाजारी,दिलीप सिंह चौहान के नाम की चर्चा है तो ग्रामीण जिला अध्यक्ष के लिए उधोराम वर्मा,प्रवीण साहू, राजेंद्र पप्पू बंजारे, भावेश बघेल,खिलेश्वर देवांगन के नाम की चर्चा है।

धान उपार्जन में नई ऊंचाइयां मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जिला बना कृषि प्रगति का एक नया इतिहास

खरीफ फसल वर्ष 2024-25 में जिले ने 9.69 लाख क्विंटल से अधिक धान खरीदी कर रचा नया कीर्तिमान

महेन्द्र सिंह मरपच्ची

छत्तीसगढ़ राज्य सदैव से कृषि प्रधान रहा है, जहां किसान न केवल अन्नदाता हैं बल्कि समृद्धि के वास्तविक वाहक भी हैं। राज्य की पहचान धान का कटोरा के रूप में पूरे देश में प्रसिद्ध है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने, उन्हें तकनीकी रूप से सशक्त बनाने तथा पारदर्शी भुगतान व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में अनेक ठोस कदम उठाए हैं। इन्हीं योजनाओं और दूरदर्शी नीतियों के फलस्वरूप् है जो जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर ने खरीफवर्ष 2024-25 में धान उपार्जन कार्य में ऐतिहासिक सफलता अर्जित की है।

धान खरीदी की तुलनात्मक उपलब्धि

खरीफवर्ष 2023-24 बनाम 2024-25 खरीफवर्ष 2023-24 में जिले में कुल 14 समितियों के माध्यम से 24 उपार्जन केंद्र संचालित किए गए थे। उस दौरान 18,061 किसान पंजीकृत हुए, जिनका कुल रकबा 24,199.93 हेक्टेयर था। जिसमें जिले का खरीदी लक्ष्य 8.55 लाख क्विंटल निर्धारित किया गया था, जिसमें 14,676 किसानों ने अपनी उपज बेचकर सरकार के न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ उठाया। इस अवधि में कुल 8.65 लाख क्विंटल धान खरीदी गई और खरीदी गई धान की कुल राशि 18,892.37 लाख रुपये रही।

वहीं वर्ष 2024-25 में जिले ने उपार्जन तंत्र को और अधिक सशक्त किया। पंजीकृत किसानों की संख्या बढ़कर 20,171 हो गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 2,110 किसानों की वृद्धि है। पंजीकृत रकबा बढ़कर 25,846.178 हेक्टेयर दर्ज किया गया, जो पिछले वर्ष से लगभग 1,646 हेक्टेयर अधिक है। इस वर्ष कुल उपार्जन केंद्र 25 थे। जिले ने 9.69 लाख क्विंटल धान खरीदी की, जो लक्ष्य 9.55 लाख क्विंटल से 0.14 लाख क्विंटल अधिक है। जो कि खरीदी राशि 22,307.60 लाख रुपये रही, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3,415.23 लाख रुपये अधिक है।

कृषक उन्नति योजना से किसानों के जीवन में समृद्धि

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में कृषक उन्नति योजना ने किसानों को धान बिक्री के तुरंत बाद आर्थिक सहयोग प्रदान किया। खरीफवर्ष 2023-24 में 14,676 किसानों को 7,936.01 लाख रुपए का भुगतान किया गया। खरीफवर्ष 2024-25 में योजना के दायरे में वृद्धि हुई और 16,426 किसानों को 7,759.16 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई, जिनमें से 16,314 किसानों को 7,687.72 लाख रुपए का भुगतान किया गया था। शेष 112 किसानों को 71.44 लाख की राशि ट्रिकल प्राप्त होते ही दी गई। इस प्रकार किसानों की संख्या में 1,750 की वृद्धि हुई और लगभग 176.85 लाख रुपए अतिरिक्त राशि किसानों को लाभ पहुंची।

वसूली और लिंकिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन

वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता में जिले ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। वर्ष 2024-25 में कालातीत मांग 279.54 लाख रुपए और चालू मांग 2,583.88 लाख रुपए रहा, जबकि कुल मांग 2,863.42 लाख रुपए रही। धान खरीदी पोर्टल में दर्ज मांग 3,185.05 लाख रुपए रही और लिंकिंग से वसूली 2,822.33 लाख हुई थी, जो 98.57 प्रतिशत है। डिजिटल प्रणाली ने हर लेन-देन को पारदर्शी और कुशल बनाया।

PFMS प्रणाली से 100 प्रतिशत भुगतान सुनिश्चित

धान उपार्जन केन्द्रों में किसानों को समय पर भुगतान के लिए Public Financial Management System का प्रयोग किया गया था। वर्ष 2024-25 में 16,419 किसानों को 22,284.09 लाख रुपए का भुगतान किया गया। भुगतान योग्य राशि और भुगतान की गई राशि दोनों समान रही, जिससे किसी भी किसान का भुगतान शेष नहीं रहा।

भंडारण सुरक्षा और प्रासंगिक व्यय में हुआ लाखों का भंडारण

धान उपार्जन के दौरान भंडारण और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया। वर्ष 2024-25 में 148.77 लाख रुपए प्रासंगिक व्यय तथा 43.27 लाख रुपए भंडारण सुरक्षा व्यय हेतु भुगतान किए गए। यह दर्शाता है कि जिले ने खरीदी के साथ-साथ गुणवत्ता और सुरक्षा पर भी ध्यान दिया गया।

आत्मनिर्भर किसान, सशक्त जिला एवं समृद्ध भारत

एमसीबी जिले का यह प्रदर्शन मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री की नीतियों का सजीव उदाहरण है। धान खरीदी अब सिर्फ प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं रही, बल्कि यह किसानों की आशा, आत्मसम्मान और विकास की कहानी बन गई है। पिछले वर्ष की तुलना में खरीदी, भुगतान और किसान सशक्तिकरण में हुई स्पष्ट वृद्धि ने जिले को प्रदेश और देश में आदर्श मॉडल बना दिया है। इस प्रकार जिले में किसानों की संख्या में 2,110 की वृद्धि, खरीदी गई धान की मात्रा में 1.04 लाख क्विंटल की वृद्धि और कुल खरीदी राशि में 3,415.23 लाख रुपए की वृद्धि हुई, जो यह दर्शाती है कि जिला कृषि तंत्र लगातार सशक्त और किसान-केंद्रित बना हुआ है।

पीओके में विद्रोह है पर दुनिया ने नजरे फेरी

श्रुति व्यास

सितंबर 2025 के आखिर से पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के मुजफ्फराबाद, रावलकोट, कोटली, नीलम एक-एक कर ठप पड़ गए। सड़कें बंद, आवाजें बेखौफ, नारे गरजते हुए: कश्मीर हमारा है, हमीं उसकी किस्मत का फैसला करेंगे। यह शोर नहीं, हताशा, निराशा और टूटना है। चालीस सालों में सबसे बड़े नागरिक उभारों में से एक सामने है मगर दुनिया सुविधाजनक चुप्पी ओढ़े है। सीएनएन (CNN) या बीबीसी (BBC) की कोई ब्रेकिंग अलर्ट नहीं। डीडब्ल्यू (DW) और अल जजीरा जैसे कुछ अपवाद छोड़ दें तो वैश्विक मीडिया ने पीओके से नजर फेर ली। क्यों? क्या इसलिए क्योंकि यह वह कश्मीर है जो पाकिस्तान के जूते तले है। इसलिए यह कहानी दुनिया के चुने हुए स्क्रिप्ट में फिट नहीं बैठती।

तैयारशुदा वैश्विक आख्यान—भारत एक अधिनायकवादी लोकतंत्र, कश्मीर उसका स्थायी पीड़ित, और पाकिस्तान—कश्मीरियों का सदैव हमीद भाई। यह ढाँचा, ये जुमले आरामदेह, परिचित और बेचने में आसान है- थिंक टैंकों का चारा, सक्रियवाद की ऊर्जा, और पश्चिमी नैतिक श्रेष्ठता के लिए आईना। इसी से पाकिस्तान कश्मीर के चैम्पियन, हितरक्षक की चादर ओढ़े रखता है जबकि अपने कब्जे वाले कश्मीर में कश्मीरी आवाजों का गला घोंटता है।

पीओके इस द्विआधारी में नहीं समाता। अगर पीओके के जन विरोधों को स्वीकार ले तो यह भ्रम टूटेगा कि कश्मीरी पीड़ा सिर्फ भारतीय शासित हिस्से में है और पाकिस्तान की भूमिका निर्दोष है। इसका अर्थ यह मानना होगा कि इस्लामाबाद असहमति कुचलता है, कार्यकर्ताओं को जेल में डालता है, चुनावों में हेरफेर करता है, मीडिया को सेंसर करता है—और सेना के जरिये पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर पर लोहे की पकड़ बनाए रखता है। पीओके को देखना पाखंड का पर्दाफाश करना है; उस पर रिपोर्ट करना सिर्फ पाकिस्तान ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय मीडिया और चयनात्मक आक्रोश पर करियर बनाने वालों से भी सख्त सवाल मांगता है।

यह असहज सत्य है कि दुनिया की नजर में हर कश्मीरी पीड़ा बराबर नहीं और मानवाधिकार वहीं बोला जाता है जहाँ भू-राजनीति इजाजत दे। इसलिए पीओके को कथा से गायब कर दिया जाता है—क्योंकि उसका दर्द राजनीतिक रूप से असुविधाजनक है। यह उभार रातों-रात नहीं उठा। वहां 2023 में बिजली बिलों और गेहूँ की कमी पर गुस्से से शुरुआत हुई। अगस्त तक यह जॉइंट अवामी एक्शन कमिटी (JAAC) के रूप में सहेजा गया—हर जिले के नागरिकों का गठजोड़। मई 2024 में उनका लोंग मार्च खूनी हो गया। 2025 में गुस्सा फिर लौटा—इस बार बड़ा, बेबाक, व्यापक। अब मुद्दा सिर्फ राशन-ईंधन नहीं। JAAC की ताजा चार्टर में 38 माँगें हैं—मुफ्त स्वास्थ्य, शिक्षा, बुनियादी ढाँचा-और सबसे ऊपर- एलीट विशेषाधिकार और सैन्य प्रभुत्व का अंत। सोशल मीडिया से लामबंदी हुई-जब तक इंटरनेट बंद न कर दिया गया। 4 अक्टूबर को पाकिस्तान सरकार ने घबराकर समझौते पर दस्तखत किए-पर आग बुझी नहीं; वह कर्फ्यू और गिरफ्तारियों के नीचे दबकर धधकती रही।

चार दशक में सबसे बड़े नागरिक प्रतिरोध, इंटरनेट ब्लैकआउट, आधी रात की छापेमारियाँ, कर्फ्यू और नागरिक मौतों के बीच—दुनिया ने आँखे फेर लीं। न ब्रेकिंग न्यूज, न हैशटैग, न आक्रोश, न एकजुटता। वेस्टमिंस्टर में किसी सांसद ने मुद्दा नहीं उठाया। क्योंकि स्पॉटलाइट हमेशा एलओसी के एक ही तरफ रहती है। इस तरफ-भारतीय कश्मीर में-बेचैनी की फुसफुसाहट, एक पत्थर, एक संवैधानिक बदलाव-हमेशा वैश्विक तमाशा बनता है न्यूयॉर्क से जेनेवा तक थिंक टैंक, ओप-एड और वकालत का रेला। इस तरफ का कश्मीर दुनिया का सबसे सुविधाजनक रूपक-गिरते लोकतंत्र, बेलगाम राज्य, पीड़ित जनता।

मगर जमीन पर हकीकत उस स्क्रिप्ट को झुठलाती है। अपनी तमाम चुनौतियों के बावजूद आज भारतीय कश्मीर लोकतांत्रिक ढाँचे से जुड़ा है-चुनाव होते हैं, अदालतें हैं, संसद में प्रतिनिधि हैं। एक भारतीय कश्मीरी राज्य को चुनौती दे सकता है, वोट से बदल सकता है, सवाल पूछ सकता है, अवज्ञा कर सकता है-लोकतंत्र की यही जद्दोजहद है। यहाँ के पत्रकार रिपोर्ट करते हैं-कभी अतिशयोक्ति, कभी विकृति-यह दमन से नहीं, अभिव्यक्ति की आजादी से उपजी विडंबना है- स्वतंत्रता हमेशा सत्य नहीं पैदा करती, पर वह केवल बोलने का अधिकार देती है।

उस पार, एलओसी के दूसरी ओर, पीओके को डिजाइन से बेड़ियों में रखा गया है। न पाकिस्तान की संसद में हिस्सेदारी, न उसकी सुप्रीम कोर्ट तक पहुँच, न मौलिक अधिकारों की ढाल। पीओके की पत्रकारिता सख्त दमन में है: विदेशी पत्रकारों को शायद ही वीजा मिलता है, और मिले तो सेना-इंटेलिजेंस की निगरानी में; स्थानीय रिपोर्टर डर, सेंसर और जासूसी में जकड़े रहते हैं—खासकर जब वे सैन्य हस्तक्षेप या जन असंतोष पर लिखते हैं। स्वतंत्र मानवाधिकार संगठनों की एंट्री बंद-बाहरी जाँच लटक जाती है। विरोध के दिनों में इंटरनेट शटडाउन रूटीन है-जमीन की लामबंदी भी खामोश, कवरेज भी। नतीजा: दक्षिण एशिया के सबसे कम कवर और सबसे कम समझे गए संघर्ष-क्षेत्रों में पीओके शुमार है-जहाँ राज्य कहानी पर नियंत्रण ही नहीं रखता, उसे मिटा देता है।

दोहरे मापदंड क्यों?

क्योंकि वैश्विक नजर चयनात्मक है-वह वहाँ सत्ता की आलोचना करती है जहाँ सुरक्षित हो, न कि जहाँ जरूरी हो। हकों की हिमायत तब करती है जब कथा में फिट बैठे-न कि जब कथा को चुनौती दे। इस फ्रेम में कश्मीरी पीड़ित सिर्फ नक्शे की एक ही तरफ मान्य है।

कहीं न कहीं भारत भी अपनी कहानी कहने—और बेचने-में अटकता है। या वह कंट्रास्ट ढंग से फ्रेम नहीं कर पाता: इस तरफ का कश्मीर, जटिलताओं सहित, बढ़ रहा है, खुल रहा है, पुनर्कल्पित हो रहा है-जबकि दूसरी तरफ भूगोल ही नहीं, राजनीति से भी लैंडलॉक है-दो अधिनायक आश्रयों, पाकिस्तान और चीन, के बीच-जहाँ आवाजें दबती हैं और भविष्य घुटता है।

भारत के पास दिखाने को प्रगति है-बड़ी और ठोस-पर उसके बराबर का आख्यान नहीं। उधर पाकिस्तान के पास छिपाने को बस दमन है-फिर भी किसी तरह सहानुभूति वोट वही बटोर लेता है। विडंबना क्रूर है: पीओके जल रहा है और दुनिया का नैतिक कंपास स्थिर पड़ा है। और उससे भी क्रूर भारतीय कश्मीर के भीतर भी ऐसे कई हैं जो अपने पास जो है उसे कम आँककर, उस पार के उसी तंत्र की नकल चाहेंगे-जो अपने लोगों को खामोश करता है। 2025 में यह कंट्रास्ट कभी इतना तीखा नहीं रहा।

बदलाव और विकास की राह ताकता बिहार चुनाव

ललित गर्ग

बिहार में चुनावी रणभेरी बज चुकी है। मतदान की तिथियों की घोषणा के साथ ही लोकतंत्र का यह महायज्ञ आरंभ हो चुका है, जिसमें करोड़ों मतदाता दो चरणों में दिनांक 6 और 11 नवंबर को अपने मत के माध्यम से राज्य की दिशा और दशा दोनों तय करेंगे। इस बार का चुनाव सिर्फसत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि विचार और व्यवस्था परिवर्तन का चुनाव है।

बिहार लंबे समय से जिस पिछड़ेपन, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और अराजकता की बेड़ियों में जकड़ा रहा है, उससे मुक्ति का यह अवसर है। 14 नवंबर को मतगणना के साथ बिहार में नई सरकार की तस्वीर सामने होगी, लेकिन राज्य में सियासत जिस तरह आकार ले रही है, मतदान तक कई उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। बिहार के राजनीतिक इतिहास पर नजर डालें तो यह धरती कभी बुद्ध की करुणा और चाणक्य की नीति की जननी रही है, लेकिन आज वही बिहार कानून व्यवस्था की विफलताओं, जातिवाद की जंजीरों और विकासहीनता की विवशताओं से जूझ रहा है। सड़कें टूटी हैं, शिक्षा व्यवस्था जर्जर है, चिकित्सा तंत्र कमजोर है, और रोजगार की तलाश में हर साल लाखों युवा अपनी मातृभूमि छोड़ने को विवश हैं। ऐसे में यह चुनाव एक सामाजिक जागृति का अवसर भी है, जब मतदाता केवल चेहरे नहीं, चरित्र और चिंतन को वोट देंगे।

राजनीतिक दल अपनी-अपनी घोषणाओं, वादों और दृष्टि-पत्रों के साथ मैदान में हैं। कोई नया बिहार बनाने का नारा दे रहा है, तो कोई विकसित बिहार का। लेकिन सवाल यह है कि क्या घोषणाओं से बिहार का भाग्य बदलेगा, या फिर यह चुनाव भी परंपरागत नारों और जातीय समीकरणों के हवाले हो जाएगा? यह समय है कि जनता दलों से नहीं, दिशा से जुड़ाव करे; नारे से नहीं, नैतिकता से संवाद करे। पिछले दो दशकों से नीतीश कुमार बिहार का चेहरा बने हुए हैं और यह चुनाव भी अलग होता नहीं दिख रहा। मूल सवाल यही है कि क्या नीतीश को एक और मौका जनता देगी? राज्य में एनडीए ने उन्हें आगे कर रखा है और महागठबंधन से सीधी टक्कर मिल रही है। 2005 से नीतीश कुमार बीच के कुछ समय को छोड़ कर सत्ता पर काबिज हैं। इस दौरान उन्होंने 9 बार शपथ ली और कई बार पाला बदला। गठबंधन के साथी बदलते रहने और कम सीटों के बावजूद मुख्यमंत्री वही बने। इसके पीछे उनकी अपनी 'सुशासन बाबू' की छवि भी है, लेकिन अब इसे चुनौती मिल रही है। पहली बार नीतीश सरकार को भ्रष्टाचार के आरोपों में घेरने की कोशिश हो रही है। वहीं, कानून-व्यवस्था का मामला भी चिंता बढ़ाने वाला है। हाल के महीनों में पटना में व्यवसायी गोपाल खेमका और हॉस्पिटल में घुसकर गैंगस्टर की हत्या ने सरकार की परेशानी बढ़ाई। नीतीश और भाजपा ने लालू-राबड़ी यादव के कार्यकाल को हर चुनाव में जंगलराज की तरह पेश किया, पर अब सवाल विपक्षी दल पूछ रहे हैं। यह चुनाव ऐसे अनेक सवालों के घेरे में हैं।

विकास पर जोर के बावजूद बिहार की राजनीति में जाति एक निर्णायक कारक है। हर पार्टी की चुनावी रणनीति समुदाय आधारित लामबंदी से गहराई से प्रभावित है। दोनों प्रमुख गठबंधन एनडीए ओर महागबंधन सीट बंटवारे की बातचीत में उलझे हैं। 243 विधानसभा सीटों में से गठबंधन में से किस पार्टी को कितनी सीटें मिलेंगी और किसे कोन-सी सीट मिलेगी, यह विवाद का विषय है। पिछले विधानसभा चुनाव में एनडीए और महागठबंधन के बीच सीधा मुकाबला हुआ था- इस बार समीकरण में प्रशांत किशोर की जन सुराज भी है, जो भ्रष्टाचार ओर पलायन का मुद्दा उठाए हुए हैं। कुछ और भी नये राजनीतिक दल मैंदान में हैं। बिहार की सबसे बड़ी चुनौती कानून व्यवस्था और प्रशासनिक सुदृढ़ता की है। आए दिन होने वाली अपराध घटनाएं और अराजकता ने राज्य की छवि को धूमिल किया है। एक ऐसा शासन चाहिए जो भयमुक्त समाज दे सके, जहां नागरिक सुरक्षित महसूस करें, जहां अपराध पर अंकुश हो और न्याय त्वरित मिले। विकास तभी संभव है जब विश्वास का माहौल बने।

बिहार की राजनीति में इस बार कई नए दल और कई पुराने चेहरे नए दल के साथ दिखाई देने वाले हैं। प्रशांत किशोर की पार्टी 'जनसुराज', तेजप्रताप यादव की पार्टी जनशक्ति जनता दल, उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा और पशुपति पारस की राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी पहली बार बिहार विधानसभा के चुनाव में नजर आने वाली है। ऐसे में सभी दल चुनावी जंग में ताल ठोकने को तैयार है। मगर देखने वाली बात ये होगी कि कौन सी पार्टी अपना कितना दम दिखा पाती है? क्या प्रशांत किशार की पार्टी उनके दावे के अनुसार प्रदर्शन करती है या फुस्स साबित होती है, वहीं, तेजप्रताप यादव अपनी पार्टी बनाकर तेजस्वी यादव को कितना झटका देते है। यह सब अब चुनाव के परिणाम पर तय होगा। साथ ही यह भी तय होगा कि कौन सी पार्टी अपना अस्तित्व बचा पाती है कौन नहीं? यह चुनाव बिहार की आत्मा को झकझोरने वाला क्षण है। यहां की जनता अब सिर्फ रोटी-कपड़ा-मकान नहीं, बल्कि शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, और सम्मानजनक जीवन चाहती है। यह चुनाव इस आकांक्षा का प्रतीक है। जो भी दल इस वास्तविकता को समझेगा, वही बिहार का भविष्य गढ़ पाएगा।

आज बिहार के मतदाता अधिक सजग एवं विवेकशील हैं। वे जानते हैं कि सत्ता परिवर्तन से अधिक जरूरी है संस्कृति परिवर्तन, राजनीतिक शुचिता और प्रशासनिक जवाबदेही। यह चुनाव केवल विधानसभा की सीटें तय नहीं करेगा, बल्कि यह तय करेगा कि क्या बिहार अपनी पुरानी परछाइयों से निकलकर प्रकाश की ओर बढ़ पाएगा। क्योंकि बिहार में पिछड़ेपन, भ्रष्टाचार, अराजकता की चर्चा होती रहती है, इसलिये यह स्वाभाविक है कि राज्य का विकास, कानून व्यवस्था एवं रोजगार का मुद्दा भी पक्ष-विपक्ष के बीच एक प्रमुख चुनावी मुद्दा होगा। हालांकि पिछली सरकारों के दौर में बिहार बदहाली के दौर से काफी निकल चुका है और विगत दो दशक में यहां की स्थितियां काफी बदली है। इस बार बिहार चुनाव बदला-बदला होगा, इसकी आहट उन घोषणाओं से भी मिलती है, जो नीतीश सरकार ने की हैं। महिलाओं, दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए पहली बार इस पैमाने पर ऐलान किए गए हैं। वहीं आरजेडी और कांग्रेस ने पूछा है कि इसके लिए पैसा कहां से आएगा? जनता वादों पर भरोसा करती है या बदलाव संग जाती है, जवाब मिलने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा।

वैसे, बिहार चुनाव का इतना ज्यादा महत्व कोई नई बात नहीं है। विगत दो दशक से एक विशेष क्रम बना हुआ है। लोकसभा चुनाव के अगले साल बिहार विधानसभा के चुनाव होते हैं। केंद्र में जो पार्टी विपक्षी गठबंधन में रहती है, वह बिहार विधानसभा चुनाव में अपना पूरा जोर लगा देती है, जिससे चुनाव कुछ ज्यादा रोचक एवं उत्तेजक बन जाता है। सियासी स्थिति का आकलन करें, तो बिहार में लगभग बीस साल शासन के बावजूद जनता दल यूनाइटेड या नीतीश कुमार की ताकत को कोई भी खारिज नहीं कर रहा है। भाजपा पूरी मजबूती से नीतीश कुमार के साथ खड़ी है, ताकि सत्ता बनी रहे। दूसरी ओर, राष्ट्रीय जनता दल के नेतृत्व वाला महागठबंधन अभी नहीं, तो कभी नहीं वाले अंदाज में जोर लगा रहा है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

अवेयरनैस प्रोग्राम में बच्चों को गुड़ व बेड टच की जानकारी दी गई

भिलाई। हुड़को भिलाई नगर स्थित एंजिल वैली स्कूल के छोटे विद्यार्थियों को स्कूल की ओर से अवेयरनैस प्रोग्राम के तहत आज सेक्टर 6 थाना व सिविक सेंटर स्थित बैंक का भ्रमण कराया गया। इस दौरान बच्चों को कानून व्यवस्था व बैंक से सम्बंधित प्राथमिक जानकारी दी गयी। जिससे नर्सरी से क्लास 5 तक के लगभग 50 बच्चे ने अवेयरनैस के तहत जानकारी प्राप्त की। ऐंजल वेली स्कूल हुड़को भिलाई नगर की प्रिंसिपल सुष्मिता दास ने बताया कि उनके स्कूल से विद्यार्थियों को बौद्धिक ज्ञान के लिए प्रति वर्ष पोस्ट आफिस , बैंक आदि संस्थाओं का विजिट कराया जाता है। इसी तारतम्य में इस वर्ष स्कूल की ओर से बच्चों को थाने व बैंक का विजिट कराया गया। स्कूल की प्रिंसिपल सुष्मिता दास ने बताया कि इसके तहत पहले बच्चों को सेक्टर -6 पुलिस थाने का विजिट कराया गया। जहाँ के टी आई जितेंद्र वर्मा ने बच्चों को पूरे थाने का भ्रमण करवाया। इसके साथ ही बच्चों को गुड़ व बेड टच की जानकारी दी। घर में पेरेंट्स व स्कूल में टीचर की बातो पर ध्यान देने को कहा। साथ ही हथकड़ी व लाकप आदि के बारे में जानकारी दी वहीं बच्चों को मोबाईल ना देखने की नसीहत दी गई। इस दौरान बच्चों ने पुलिस की बातों को गौर से सुना। तत्पश्चात पुलिस द्वारा बच्चों को बिस्किट व चॉकलेट दिया गया। स्कूल प्रशासन ने बताया कि बच्चे इस दौरान काफी उत्साहित थे।

संयंत्र के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग में सुरक्षा पदयात्रा का आयोजन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग में 09 अक्टूबर, 2025 को कार्यस्थल सुरक्षा और कर्मचारी कल्याण के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता को अभिव्यक्त करते हुए एक सुरक्षा पदयात्रा का सफल आयोजन किया गया। इस पहल का नेतृत्व कार्यपालक निदेशक (संकार्य) राकेश कुमार तथा मुख्य महाप्रबंधक (कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग) तुलाराम बेहरा ने किया। इस अवसर पर विभाग के नियमित कर्मचारी एवं ठेका कर्मियों ने बड़ी संख्या में भागीदारी की। सुरक्षा पदयात्रा की शुरुआत वर्क्स बिल्डिंग-4 से हुई, जो कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग के विभिन्न प्रमुख परिचालन क्षेत्रों से होकर गुज़री। प्रतिभागियों ने शॉप्स एवं परिचालन स्थलों का निरीक्षण किया तथा सुरक्षित कार्यप्रणालियों, वर्तमान सुरक्षा ढाँचे और संभावित सुधार के क्षेत्रों का गहन अवलोकन किया। इस पदयात्रा का उद्देश्य संयंत्र परिसर में सुरक्षा संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ बनाना, सजगता को प्रोत्साहित करना तथा प्रत्येक स्तर पर उत्तरदायित्व और पारदर्शिता की भावना को सशक्त करना था।
कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार ने उपस्थित कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि असुरक्षित गतिविधियों के प्रति शून्य सहनशीलता ही भिलाई की सुरक्षा नीति का मूल तत्व है।

वित्त मंत्री चौधरी ने नवीन उप पंजीयक कार्यालय का किया शुभारंभ

क्षेत्र के 56 गांव के लोग होंगे लाभान्वित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रदेश के वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण, योजना, आर्थिक सांख्यिकी मंत्री ओ.पी. चौधरी के मुख्य आतिथ्य में दुर्ग जिले के अहिवारा में नवीन उप पंजीयक कार्यालय का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि वित्त मंत्री चौधरी ने कार्यालय नगर पालिका परिषद अहिवारा के रैन बसेरा परिसर में फीता काट कर नवीन उप पंजीयक कार्यालय का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, सांसद विजय बघेल, अहिवारा के विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, जिला पंचायत की अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष जितेन्द्र साहू भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र के जनता की बहुप्रतीक्षित मांग आज पूरी हुई है। नवीन उप पंजीयक कार्यालय में अहिवारा क्षेत्र के नगर पालिका परिषद के समस्त वार्ड तथा राजस्व निरीक्षक मंडल अहिवारा एवं मुरमुंदा के अंतर्गत आने वाले कुल 56 ग्रामों की रजिस्ट्रियां पूर्व में उप पंजीयक कार्यालय धमधा एवं भिलाई में होती थी। अब नवीन उप पंजीयक कार्यालय अहिवारा में 10 अक्टूबर 2025 से इन सभी क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाली अचल संपत्तियों से संबंधित समस्त दस्तावेजों का पंजीयन होगा। जिससे पक्षकारों को पंजीयन कार्य मे सीधे लाभ मिलेगा, उनका समय एवं संसाधनों की बचत होगी।

मुख्य अतिथि वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार प्रदेश में विकास के कार्य को आगे बढ़ाने के साथ ही प्रधानमंत्री मोदी जी की गारंटी को क्रमशः पूरा कर रही है। चाहे वह किसानों का 3100 रूपए प्रति क्विंटल धान खरीदी हो अथवा 18 लाख प्रधानमंत्री आवास का निर्माण हो। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी के तहत प्रदेश सरकार 70 लाख महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये महतारी वंदन की राशि जारी कर रही हैं। वित्त मंत्री ने बताया कि रायपुर से राजनांदगांव को जोड़ कर इंटीग्रेटेड प्लान के साथ विकास किया जाएगा। मेट्रो रेलवे लाईन का सर्वे हो चुका है। उन्होंने बताया कि जमीन की रजिस्ट्री कार्य में आमूलचूल परिवर्तन कर नई पद्धति लागू की गई है। इसके लिए एक्ट में परिवर्तन किया गया है। वर्तमान में सुगम ऐप के माध्यम से रजिस्ट्री कार्य क्रेता-विक्रेता दोनों के मौजूदगी में किया जा रहा है। ई-स्टाम्प, पेपरलेस प्रक्रिया, स्वतः पंजीयन का प्रावधान से नामांतरण हो रहा है। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने क्षेत्र की जनता को पंजीयन के नये पद्धति से लाभ लेने का आग्रह किया। उन्होंने अहिवारा में आदर्श पंजीयन कार्यालय एक वर्ष में तैयार करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव की मांग पर कहा कि अहिवारा में पूर्व निर्मित मकान को नियमितीकरण करने शासन स्तर से प्रयास किया जाएगा।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने अहिवारा वासियों को नवीन उप पंजीयक कार्यालय शुभारंभ पर बधाई दी। मंत्री यादव ने रजिस्ट्री के पुरानी पद्धति और नई पद्धति से अवगत कराते हुए इस पद्धति का पूरा श्रेय वित्त मंत्री को दिया। उन्होंने विधायक श्री कोर्सेवाड़ा की मांग पर अहिवारा में केंद्रीय विद्यालय खोलने का भरोसा दिलाया। मंत्री श्री यादव ने अहिवारा में मकान नियमित कराने वित्त मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट किया। सांसद विजय बघेल ने अहिवारा को उप पंजीयक कार्यालय की सौगात के लिये वित्त मंत्री का आभार माना। उन्होंने वित्त मंत्री की प्रशासनिक क्षमता और निर्णय का सराहना किया। विधायक डोमन लाल कोर्सेवाड़ा ने कहा कि क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हुई है। उन्होंने शासन प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए क्षेत्र के विकास में आगे भी सहयोग की अपेक्षा की।

विधायक कोर्सेवाड़ा ने मंत्री द्वय से अहिवारा में केंद्रीय विद्यालय खोलने की मांग की। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने स्वागत उद्बोधन में बताया कि नवीन उप पंजीयक कार्यालय से 56 गांव के लोगों को सुविधाये उपलब्ध होगी। इस अवसर पर नगर पालिका के अध्यक्ष विद्यानंद कुशवाहा, उपाध्यक्ष अशोक बाफना, पूर्व विधायक लाभचंद बाफना, नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष नटवर लाल ताम्रकार एवं पार्षदगण, एसडीएम महेश राजपूत, जिला पंजीयक प्रियंका श्रीरंगे सहित अन्य अधिकारी तथा महंत लीलाधर साहू सहित बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित थे।

कैट महिला अध्यक्ष पायल जैन के कार्यों की राज्यपाल ने की सराहना

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग । कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की दुर्ग जिला महिला इकाई अध्यक्ष सुश्री पायल जैन एवं महामंत्री डॉ. गुंजा पींचा ने शुक्रवार को छतीसगढ़ के राज्यपाल रामेन डेका से सौजन्य भेट की। इस दौरान जैन द्वारा राज्यपाल को पिछले हफ्ते कैट की महिला इकाई द्वारा आयोजित दीवाली धमाका में महिलाओं द्वारा स्वनिर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी के साथ पूर्व में किए गए कार्यो एवं आगामी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई।

राज्यपाल ने महिलाओं को स्वदेशी उत्पादों से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में किए गए कार्य के लिए कैट महिला इकाई अध्यक्ष सुश्री पायल जैन की सराहना की। बता दें कि दीवाली धमाका एक्जिबिशन में दुर्ग-भिलाई की महिलाओं द्वारा स्वदेशी उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई थी। प्रदर्शनी में 44 स्टॉल लगाए गए थे। इन स्टॉलो में स्वदेशी उत्पाद आकर्षण का केन्द्र रहे। इस अवसर पर सांसद विजय बघेल, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, छग आरएसएस के पूर्व प्रमुख बिसराराम यादव, महापौर अलका बाघमार,जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक, पूर्व विधायक अरुण वोरा, पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल, कलेक्टर अभिजीत सिंह, बाल अधिकार संरक्षण आयोग अध्यक्ष वर्णिका शर्मा, आईजी रामगोपाल गर्ग, एसएसपी विजय अग्रवाल के अलावा अन्य जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रदर्शनी में शामिल होकर महिलाओं का हौसला बढ़ाया।

सुपर बाजार की तर्ज पर दुर्ग में खुलेगा प्रदेश का पहला साथी बाजार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। केन्द्र सरकार की साथी परियोजना अंतर्गत छत्तीसगढ़ का पहला साथी बाजार दुर्ग में खोला जाएगा। इसके लिए छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम रायपुर द्वारा इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर को दुर्ग जिले के रुआंबांधा में साथी बाजार स्थापना के लिए 5 एकड़ भूमि उपलब्ध करवाई गई है।

साथी बाजार स्थापना का मुख्य उद्देश्य किसानों की आय को बढ़ाना, महिला स्व सहायता समूहों को आत्मनिर्भर बनाना एवं केन्द्र सरकार की अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं को साथी बाजार के साथ जोड़कर योजनाओं का जनता को अधिक से अधिक लाभ प्रदान करना है। साथी बाजार में 154 प्रकार के उत्पादों की बिक्री के साथ जरुरत की सभी आवश्यक उत्पादों का भंडार होगा। इसके अलावा साथी बाजार में ही कई उत्पादों की प्रोसेसिंग की जाएगी। यहां किसानों को कोल्ड स्टोरेज व ग्राहकों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। यह साथी बाजार मूलतः स्वदेशी उत्पादों की बिक्री के लिए होगा, लेकिन ग्राहकों की पसंद को ध्यान रखते हुए राष्ट्रीय कंपनी के उत्पाद को भी स्थान दिया जाएगा। साथी बाजार से बिचौलियों का अस्तित्व खत्म होगा। जिससे यहां कम दरों में ग्राहकों को जरुरत की आवश्यक सामानें मिलेंगी। कृषि उत्पादों में बाजार रेट से कम से कम 20 से 30 प्रतिशत का लाभ ग्राहकों को मिलेगा।रुआबांधा में साथी बाजार स्थापना के लिए कार्य प्रगति में आ गया है। प्रारंभिक चरण में दुकानों के आबंटन के लिए निविदा बुलाई गई है। साथी बाजार में महिलाओं को प्रोत्साहन देने निविदा में 10 प्रतिशत का आरक्षण और नियम-शर्तों में भी छुट दिए गए है।

दुर्ग जिला में प्रदेश का पहला साथी बाजार सालभर में बनकर तैयार हो जाएगा। जो किसानों, महिला स्व सहायता समूहों एवं आम जनता के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। यह बातें छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर ने शुक्रवार को मीडिया से चर्चा में कही। इस दौरान नाफेड के राष्ट्रीय समन्वयक मनीष शाह, जिला बीज विकास निगम के प्रमुख श्री बेहरा, दुर्ग श्री किसान उत्पादक संगठन के अध्यक्ष डॉ. योगेश सोनकर, चैम्बर महिला विंग अध्यक्ष मानसी गुलाटी, कैट युवा विंग अध्यक्ष रवि केवलतानी, चैम्बर पदाधिकारी नीतू श्रीवास्तव मौजूद रहे।

विधायक ललित चंद्राकर ने सरस्वती सायकिल योजना के तहत छात्राओं को सायकिल वितरण किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने रुदा (खाड़ा) में शासकीय हाई स्कूल रूदा की छात्राओं को सरस्वती सायकिल योजना के तहत सायकिल का वितरण किया। छात्राओं ने सायकिल की घंटी बजाकर विधायक ललित चंद्राकर का अभिवादन किया। छात्राओं को तिलक लगाकर मिठाई खिलाया और साइकिल वितरण किया।

इस अवसर पर साइकिल प्राप्त करने वाली छात्राएं बताती है कि एक किलोमीटर से अधिक दूरी तक पैदल चलकर स्कूल जाना पड़ता था, लेकिन सायकिल मिलने से अब पैदल चलना नहीं पड़ेगा। बहुत कम समय में ही स्कूल और स्कूल से घर पहुंच जाएंगे। इस योजना का लाभ पाने वाली छात्राएं कहती है कि छत्तीसगढ़ सरकार की सरस्वती साइकिल योजना स्कूल में पढ़ने वाली छात्राओं के लिए काफी अच्छी योजनाएं है। इसके लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का विधायक ललित चंद्राकर का बहुत-बहुत धन्यवाद करते है।

इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने बताया छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत कक्षा 9 वीं में प्रवेश लेने वाली उन सभी छात्राओं को निःशुल्क सरस्वती सायकल वितरण योजना के अंतर्गत निःशुल्क सायकल प्रदान किया जाता है, जो अनुसूचित जाति एवं जन जाति वर्ग की बालिकाएं होती है। इसके सांथ सांथ गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले छात्राओं को भी इस योजना के तहत् निःशुल्क सायकल प्रदान किया जाता है। इस योजना का उद्देश्य है कि बालिकाओं को शिक्षा प्राप्त करने हेतु समिपस्थ हाई स्कूल आने जाने में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

आगे चंद्राकर ने कहा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा दिया था आज सभी जगह चरितार्थ हो रही है सभी जगह बेटियां अपने परचम लहरा रही है हर क्षेत्र में बेटियां आगे बढ़ रही है हमारी सरकार आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है गरीब बेटियों को कॉलेज की पढ़ाई के लिए अब 30 हजार तक की आर्थिक सहायता प्रदान कर रही है।

श्री चंद्राकर ने आगे स्वच्छ भारत अभियान पर प्रकाश डालते हुए कहां हम सबको अपने आसपास के क्षेत्र को साफ सफाई रखना है स्वच्छ शरीर में स्वच्छ मन का निवास होता है।

कॉन्ट्रैक्ट निर्माण और प्रबंधन पर बीएसपी के वरिष्ठ प्रबंधकों के साथ संवाद सत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन विकास केंद्र में 25 व 26 सितंबर, 2025 तथा 9 व 10 अक्टूबर 2025 को कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार द्वारा बीएसपी के 600 वरिष्ठ प्रबंधकों के साथ एक रणनीतिक संवाद सत्र आयोजित किया गया।

इन सत्रों का उद्देश्य स्थापित क्रय कॉन्ट्रैक्ट प्रक्रिया के सख्त अनुपालन के तहत कॉन्ट्रैक्ट निर्माण और पर्चेस योजना के प्रमुख पहलुओं की समीक्षा करते हुए उन्हें संगठनात्मक उद्देश्यों के अनुरूप और अधिक प्रभावी बनाना था।

विस्तृत चर्चाओं के दौरान श्री राकेश कुमार ने परिचालन उत्कृष्टता के तीन प्रमुख स्तंभो कॉन्ट्रैक्ट ऑप्टिमाइजेशन, मैनपॉवर रिडक्शन तथा संसाधन उपयोग की अधिकतम दक्षता पर विशेष बल दिया।

उन्होंने अपने प्रेरक संबोधन में हम सर्वश्रेष्ठ हैं के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र की शक्ति उसकी टीम की प्रतिबद्धता, अनुशासन और निरंतर सुधार की भावना में निहित है।

सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं और लागत-प्रभावी कार्यप्रणालियों को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। बेहतर कॉन्ट्रैक्ट प्रबंधन, समयबद्ध कार्य निष्पादन तथा मैनपॉवर व संसाधनों के रणनीतिक उपयोग से संगठनात्मक मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि की जा सकती है।

बीमारियां सह लेंगे, पटाखे फोड़ने दो

श्रीकंचनपथ

अजीब सी जिद है। पटाखे फोड़ने ही हैं चाहे वह बच्चों को घायल करे, बूढ़े और बीमारों की मुसीबत बनें, फेफड़ों की छलनी बना दें। यही जिद लोगों को ले डूबेगी। हर साल किसी का हाथ जलता है, किसी का चेहरा झुलसता है, कोई गंभीर रूप से घायल हो जाता है पर पटाखे तो चलाने ही हैं। पटाखों के लिए सुरक्षित स्थान हों या न हों, हमें कोई फर्क नहीं पड़ता। सड़कों पर लड़ियां छोड़ी जाती हैं तो छतों से राकेट दागे जाते हैं। कालोनियों में बड़े बड़े सुतली बम फोड़े जाते हैं जिससे शीशे की खिड़कियां तक झनझनाकर टूट जाती हैं। सभी अस्पताल विशेषकर बर्न यूनिट्स इसके लिए अलग से तैयारी करते हैं। पटाखों का उपयोग पूरी दुनिया में खुशी मनाने के लिए किया जाता है। दशहरे पर सार्वजनिक रूप से आतिशबाजी का एक लंबा इतिहास रहा है। पर देश के कुछ शहरों में अब लोगों को श्वांस से जुड़ी तकलीफें होने लगी हैं। तब बात स्वाभाविक रूप से प्रदूषण के नियंत्रण की होनी चाहिए। गाड़ियों का चलना कम नहीं हो सकता। बावजूद इसके दिल्ली ने सड़कों से काला धुआं छोड़ने वाले वाहनों को बाहर किया है। दिल्ली एनसीआर और उसके आसपास के क्षेत्रों में पराली जलाने पर रोक लगी हुई है पर लोग मानें तब न। बचती है आतिशबाजी। इसके साथ तो धर्म-कर्म और आस्था भी जुड़ी हुई है। स्कूलों में भी पढ़ाया जाता है कि दीपावली में दीपों की माला सजाने के अलावा बच्चे आतिशबाजी करते हैं। दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में दिल्ली और उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा के 16 जिले आते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 2020 में पहली बार दिल्ली में पटाखे फोड़ने पर बैन लगाया था। 2024 में दिवाली पर बैन का उल्लंघन होने के बाद कोर्ट ने दिल्ली में सभी तरह के पटाखों के निर्माण, भंडारण, बिक्री और फोड़ने पर रोक लगा दी। 19 दिसंबर 2024 को दिल्ली सरकार ने 2025 के पूरे साल पटाखों पर बैन का नोटिफिकेशन जारी किया था। इस साल कोर्ट ने ग्रीन पटाखे बनाने की छूट दी थी। ग्रीन पटाखों को पर्यावरण हितैषी पटाखा भी कहा जाता है। इससे पर्यावरण को बहुत कम नुकसान होता है। पर इसकी बिक्री पर अब भी तलवार लटकी हुई है। दिवाली के साथ ही अब गुरुपरब और क्रिसमस पर भी सीमित समय तक पटाखे चलाने की इजाजत मांगी गई है। जाहिर है कि इसका पालन नहीं हो सकेगा। एक बार पटाखे हाथ आ गए तो लोग जब चाहेंगे छुड़ाएंगे। छठ को लोग भूल गए। छठ पर सुबह और रात को जमकर आतिशबाजी की जाती है। दरअसल, त्यौहार में सेहत दरकिनार हो जाती है। दुनिया में हर साल वायु प्रदूषण से करीब 42 लाख लोगों की मौत होती है। 99 प्रतिशत लोग प्रदूषित हवा में सांस ले रह हैं। निम्न और मध्यम आय वाले देशों में यह खतरा सबसे अधिक है। जिसके लिए यह चिंता, जब उसी को कोई फर्क न पड़े तो?

छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग अध्यक्ष संदीप शर्मा ने की विभागीय समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष संदीप शर्मा ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष, दुर्ग में विभागीय अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक से पूर्व अध्यक्ष शर्मा ने आंगनबाड़ी केंद्रों और राशन दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान आयोग के सदस्य सचिव राजीव जायसवाल, सदस्य राजेन्द्र महिलांगे, खाद्य निज सचिव डॉ. सूरज दुबे उपस्थित थे। अध्यक्ष शर्मा ने अरिहंत महिला मंडल और कुथरेल दुर्ग ग्रामीण की राशन दुकानों तथा आंगनबाड़ी केंद्रों का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी केन्द्र कुथरेल में दर्ज बच्चों की संख्या देखकर संतोष व्यक्त किया। राशन दुकान के आकस्मिक निरीक्षण में अरिहंत महिला मंडल राशन दुकान में आवश्यक सूचनाएं प्रदर्शित नहीं होने पर नाराज़गी जाहिर की और संबंधित दुकान को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में उन्होंने विभागवार योजना और क्रियान्वयन की प्रगति का आकलन किया। महिला एवं बाल विकास विभाग अधिकारी ने बताया कि दुर्ग जिले में संचालित 08 बाल विकास परियोजनाओं के 1550 आंगनबाड़ी केन्द्रों में खाद्य आयोग के काल सेंटर नम्बर का प्रदर्शन किया गया है। अध्यक्ष श्री शर्मा ने निर्देशित किया कि आंगनबाड़ी केंद्रों में पंजीकृत बच्चों की संख्या और पोषण ट्रैकर में दर्ज आंकड़ों का मिलान किया जाए।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर...

31 को पावर लिफ्टिंग और 2 नवंबर को बॉडी बिल्डिंग की होगी स्पर्धा

रायपुर। छत्तीसगढ़ बॉडी बिल्डिंग एसोशिएसन एवं छग पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन के तत्वाधान में नेशनल पावर लिफ्टिंग चैम्पियनशीप ईस्ट एंड वेस्ट जोन इंडिया एवं बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता का आयोजन 31 अक्टूबर से 2 नवंबर तक बूढ़ेश्वर मंदिर भवन बूढ़ा तालाब में किया जा रहा है।

छग बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के महासचिव मानिक ताम्रकार एवं छग पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन के महासचिव प्रदीप क्षत्रिय ने बताया कि नेशनल पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप का उदघाटन 31 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे किया जाएगा और 2 नवंबर को 3 बजे पुरस्कार वितरण किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, गुजरात, वेस्ट बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा के लगभग 400 खिलाड़ियों के आने की संभावना है। प्रतियोगिता में महाराष्ट्र के रेफरी सैंडल एस सोडे, प्रमोद एस पाटिल, कोलकाता से अनूप यादव, ओडिशा से रुद्र कुमार, राजस्थान से सत्यनारायण सैनी, रेफर शिप करेंगे।

नेशनल पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में चयनित पावर लिफ्टर वर्ल्ड चैंपियनशिप श्रीलंका में 26 से 30 नवंबर को भाग लेने जाएंगे जिनका चयन पावर लिफ्टिंग स्पोर्ट ऑर्गेनाइजेशन के महासचिव दुर्गेश राजोरिया करेंगे। पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप के समापन के बाद ही बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता होगी जो 2 नवंबर को शाम 6 बजे से शुरू होगी जिसमें मि रायपुर एवं मि एवं मिस छग की प्रतियोगिता होगी जिसमें मि रायपुर में रायपुर जिले के प्रतिभागी भाग लेंगे जबकि मि एवं मिस छग में राज्य के सभी जिले के प्रतिभागी भाग लेंगे। पावर लिफ्टिंग और बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में 151000 रुपए कैश इनाम दिया जाएगा। बॉडी बिल्डिंग विभिन्न वजन वर्गों के आधार पर होगा।

बीजेपी की नई कार्यकारिणी घोषित, 29 पदों पर नियुक्तियां-संगठन को मिला नया स्वरूप

रायपुर। भाजपा ने शुक्रवार को रायपुर ग्रामीण जिला इकाई की नई कार्यकारिणी की घोषणा की। यह घोषणा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सिंह और प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय की सहमति से की गई। इस नई कार्यकारिणी में युवाओं, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और संगठन के

सक्रिय सदस्यों को संतुलित रूप से शामिल किया गया है ताकि पार्टी की जमीनी पकड़ और मजबूत हो सके।

नई कार्यकारिणी में कुल 29 पदों पर नियुक्तियां की गई हैं। इनमें 6 उपाध्यक्ष, 2 महामंत्री, 1 कोषाध्यक्ष, 1 सह कोषाध्यक्ष, 6 मंत्री, 2 प्रवक्ता, मन की बात प्रमुख और सह प्रमुख, प्रचार प्रसार मंत्री, सह प्रचार प्रसार मंत्री, कार्यालय प्रभारी, सह कार्यालय प्रभारी, सोशल मीडिया प्रभारी, सह सोशल मीडिया प्रभारी और आईटी प्रभारी शामिल हैं।

प्रदेश नेतृत्व ने कहा कि यह नई टीम आने वाले संगठनात्मक अभियानों, जनसंपर्क कार्यक्रमों और 2026 के पंचायत व शहरी निकाय चुनावों की तैयारियों में अहम भूमिका निभाएगी। रायपुर ग्रामीण के जिलाध्यक्ष ने कहा कि संगठन ने नई कार्यकारिणी में अनुभव और ऊर्जा का संतुलन बनाया है। युवा कार्यकर्ताओं को प्रमुख पदों पर शामिल कर उन्हें नेतृत्व की जिम्मेदारी दी गई है, वहीं पुराने और अनुभवी नेताओं को मार्गदर्शन की भूमिका सौंपी गई है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: छत्तीसगढ़ के प्रतिभावान छात्रों को इसका लाभ पहुंचाने की कार्य योजना पर दिया बल

कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कार्य परिषद की 63वीं बैठक 9 अक्टूबर 2025 को पूर्वान्ह 11 बजे संपन्न हुई। बैठक के प्रारंभ में विधायकगण सह सदस्यगण रिकेश सेन, डॉ. संपत अग्रवाल और इंद्र कुमार साहू का स्वागत एवं अभिनंदन शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह से किया गया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री द्वारा मनोनित दो सदस्यों आर. कृष्णा दास, प्रभात मिश्र का स्वागत अभिनंदन किया गया। कार्य परिषद की अध्यक्षता महादेव कावरे कुलपति एवं संभागायुक्त रायपुर ने की।

कार्य परिषद में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों में सदस्यों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप पाठ्यक्रमों के अधिकाधिक उन्नत करने एवं प्रदेश के प्रतिभावान छात्रों को इसका लाभ पहुंचाने की कार्य योजना पर बल दिया। प्रशासनिक एवं छात्रहित से जुड़ी हुई प्रशासनिक व्यस्थाओं के त्वरित संचालन एवं डिजीटल तकनीक से जोड़ने लैपटाप एवं कम्प्युटर सिस्टम क्रय की स्वीकृति प्रदान की। इसके साथ ही विश्वविद्यालय में संसाधनों की पूर्ति के लिए स्वेच्छानुदान, सांसद निधि, विधायक निधि सहित शासन के विविध मदों से राशि आंबटित कराने जनप्रतिनिधियों को प्रस्ताव भेजने का निर्णय लिया गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप पुनर्गणना एवं चुनौती मूल्यांकन के लिए शुल्क एवं प्रक्रिया निर्धारण उपसमिति के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया जिसके अनुसार पुनर्गणना हेतु 50 और चुनौती मूल्यांकन हेतु 1000 का शुल्क निर्धारित किया गया है। विश्वविद्यालय के षष्ठम् दीक्षांत समारोह का आयोजन माह जनवरी 2026 में कराए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई। विश्वविद्यालय में कार्यरत गैरशैक्षणिक कर्मचारियों के समयमान वेतनमान को कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान की गई।

विश्वविद्यालय में साइबर सुरक्षा एवं साइबर पत्रकारिता के नए पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जाने का निर्णय लिया गया एवं इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया। मीडिया शिक्षा एवं अन्य प्रोग्राम्स में प्लेसमेंट के लिए विद्यार्थियों के शत प्रतिशत कैंपस प्लेसमेंट सुनिश्चित करने हेतु व्यापक प्रचार प्रसार एवं आवश्यक कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया ।

इसी क्रम में छत्तीसगढ़ के प्रमुख मीडिया समूहों, कार्पोरेट एवं उद्योग समूहों से एमओयू किए जाने एवं छात्रों की रोजगारपरकता को बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। रूसा परियोजना के तहत विश्वविद्यालय के निर्माणाधीन आडिटोरियम का स्थल निरीक्षण कर लंबित कार्य को शीघ्र पूर्ण किए जाने एवं आवश्यक फर्नीशिंग, आडियो- विजुवल, एकास्टिक कार्यों के लिए शासन को प्रस्ताव प्रस्तुत करते निर्देशित किया।

कार्य परिषद में छत्तीसगढ़ शासन के सचिवों का प्रतिधिनित्व वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों डॉ. राज लक्ष्मी सेलेट ओएसडी उच्च शिक्षा, उत्कल कुमार शर्मा ओएसडी वित्त एवं बालमुकुद तंबोली, जनसंपर्क विभाग ने किया। बैठक के समापन सत्र में कुलसचिव सुनील कुमार शर्मा ने आभार प्रदर्शन सह धन्यवाद ज्ञापित किया।

युक्तियुक्तकरण नीति से स्वच्छता के सुदूर वनांचल में लौटी शिक्षा की रोशनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण की नीति से सुदूर वनांचल क्षेत्रों के स्कूलों में शिक्षकों की कमी की पूर्ति होती जा रही है। युक्ति युक्तकरण के फलस्वरूप अब वनांचलों आदिवासी क्षेत्रों के स्कूलों में शिक्षक पदस्थ हो जाने से बच्चों की पढ़ाई गति पकड़ रही है साथ ही उनका भविष्य संवरने की नींव पड़ गई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की युक्तियुक्तकरण नीति ने प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को गुणवत्ता, समानता और प्रभावशीलता की नई ऊंचाई पर पहुंचाया है।

इसी नीति के तहत सरगुजा जिले के लूण्ड्रा विकासखंड के सुदूर वनांचल ग्राम नागम की शासकीय प्राथमिक शाला, जो वर्षों से शिक्षक विहीन थी, अब बच्चों की पढ़ाई की आवाजों से गूंज उठी है। विद्यालय में दो सहायक शिक्षकों में सुश्री ज्ञानलता लकड़ा और वासुकी मिर्री की पदस्थापना के बाद अब यहां के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है। पहले जहां शिक्षक की कमी के कारण विद्यालय लगभग बंद जैसा था, अब वहीं कक्षाएं नियमित रूप से संचालित हो रही हैं। बच्चों में पढ़ाई को लेकर नया उत्साह देखने को मिल रहा है। सहायक शिक्षक ज्ञानलता लकड़ा ने बताया कि नागम के शासकीय प्राथमिक शाला में 40 बच्चे पढ़ते हैं, ये सभी बच्चे बहुत जिज्ञासु और सीखने के इच्छुक हैं। हमारा प्रयास है कि सभी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाए, जिससे उनका सर्वांगीण विकास हो सके।

युक्तियुक्तकरण नीति की अभिभावकों ने की सराहना

विद्यालय में शिक्षकों की पदस्थापना से अभिभावकों में खुशी की लहर है। अभिभावक ने कहा कि पहले हमारे बच्चों को पढ़ाई के लिए दूसरे गांव भेजना पड़ता था, अब गांव में ही शिक्षक आ गए हैं। इससे बच्चों का भविष्य सुरक्षित हुआ है। उन्होंने मुख्यमंत्री और शिक्षा विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब हमारे बच्चे रोज स्कूल जा रहे हैं, उन्हें स्कूल में पौष्टिक मध्यान्ह भोजन मिल रहा है जिससे बच्चों का पढ़ाई में मन लगा रहा हैं। यह बदलाव हमारे गांव के लिए बहुत बड़ा तोहफा है।

विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि युक्तियुक्तकरण नीति के तहत विकासखंड स्तर के सभी विद्यालयों में शिक्षकों की संतुलित तैनाती सुनिश्चित की गई है,ताकि शासकीय स्कूल में पढ़ रहे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण बेहतर शिक्षा मिले और बच्चों का भविष्य सुदृढ़ हो। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की युक्तियुक्तकरण नीति ने न केवल शिक्षा व्यवस्था में संतुलन स्थापित किया है बल्कि सुदूर अंचलों तक शिक्षा की रोशनी पहुंचाकर सबके लिए समान शिक्षा का अधिकार के संकल्प को साकार किया है।

स्वच्छ आहार थीम पर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर स्थित कैंटीन व केटरिंग स्टाल पर पहुंचा दस्ता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय रेलवे द्वारा स्वच्छ रेल - स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस पखवाड़े के दौरान दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल में प्रत्येक दिवस निर्धारित थीम के अनुरूप विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

स्वच्छ आहार दिवस थीम पर मंडल के अंतर्गत सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर स्थित कैंटीनों, खाद्य स्टॉलों में स्वच्छता, खाद्य गुणवत्ता एवं समुचित सफाई की गहन जांच की गई। इस अवसर पर मंडल के नामित अधिकारियों एवं वाणिज्य विभाग के पर्यवेक्षकों द्वारा सभी प्रमुख स्टेशनों पर संचालित कैंटीनों व स्टालों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता, उचित भंडारण एवं वास्तविक मूल्य पर बिक्री की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई।

साथ ही, स्टेशनों पर संचालित कैंटीनों एवं स्टालों के आस-पास सफाई व्यवस्था, बर्तनों की स्वच्छता, कचरा निपटान प्रणाली, सूखे एवं गीले कचरे के पृथक्करण हेतु डस्टबिन की उपलब्धता सुनिश्चित की गई। खाद्य विक्रेताओं, रसोइयों एवं कर्मचारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता, यूनिफॉर्म की साफ-सफाई एवं चिकित्सा प्रमाण-पत्रों की वैधता की भी जांच की गई। निरीक्षण के दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उचित मूल्य पर उपलब्ध हो। कैंटीन संचालकों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने कार्यस्थलों पर स्वच्छता एवं हाइजीन मानकों का निरंतर पालन करें तथा यात्रियों को स्वच्छ वातावरण में सेवा प्रदान करें।

कलेक्टर ने सीएसपीडीसीएल, बैंक और वेंडर्स को दिए समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कलेक्टोरेट स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में सीएसपीडीसीएल, बैंक अधिकारियों एवं वेंडर्स की बैठक लेकर पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि पीएम सूर्यघर योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना है। इसे प्राथमिकता से लेते हुए क्रियान्वित करें और आम नागरिकों को इसका लाभ लेने के लिए प्रेरित करें।

सीएसपीडीसीएल, बैंक और संबंधित वेंडर समन्वय बनाकर कार्य करें। ताकि आम नागरिकों को निर्बाध रूप से लाभ मिले। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, एलडीएम मोहम्मद मोफीज उपस्थित थे।

कलेक्टर ने कहा कि सभी बैंक यह ध्यान रखें कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से संबंधित प्रकरणों को गंभीरता से लें। इनसे जुड़े हितग्राहिओं का पूर्ण रूप से सहयोग करें। उन्हें किसी प्रकार से भ्रमित न करें। छोटे-छोटे तकनीकी कारणों से रिजेक्ट न किया जाए और जो प्रकरण रिजेक्ट किए गए हैं उनकी पुन: समीक्षा करें और प्रयास करें कि उन्हें स्वीकृत कर योजना का लाभ दिया जाए। कलेक्टर डॉ सिंह ने एलडीएम को असहयोग करने वाले बैंको को पत्र लिखने और आरबीआई को भी इस संबंध में सूचना देने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने बिजली विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि ये जनता से जुड़ी महत्वपूर्ण योजना है, इसका शत् प्रतिशत लक्ष्य पूरा करना सुनिश्चित करें। इससे जुड़ी प्रक्रियों को जल्द पूरा करें।

मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल आत्म-प्रेम और आत्म सम्मान की दिशा में पहला कदम - दीप्ति दुबे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय सेवा योजना एवं क्रीड़ा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में गुरुकुल महिला महाविद्यालय में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, तनाव एवं अवसाद जैसी समस्याओं से निपटने की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना तथा सकारात्मक जीवन दृष्टिकोण को विकसित करना रहा।

सांस्कृतिक विवेकानंद उत्कर्ष परिषद से दीप्ति दुबे एवं प्रशिक्षक विकास गोयल ने छात्राओं से संवाद करते हुए कहा कि - मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल आत्म-प्रेम और आत्म-सम्मान की दिशा में पहला कदम है। जब हम अपने मन को स्वस्थ रखते हैं, तभी जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने छात्राओं को तनाव प्रबंधन, ध्यान, आत्म-विश्लेषण और संवाद के माध्यम से मानसिक संतुलन बनाए रखने के उपयोगी उपाय बताए।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.संध्या गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि वर्तमान समय में मानसिक स्वास्थ्य एक वैश्विक चिंता का विषय बन चुका है। उन्होंने छात्राओं को संदेश दिया कि शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ-साथ मानसिक स्थिरता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। प्राचार्य ने कहा कि महाविद्यालय सदैव अपने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए इस प्रकार के रचनात्मक एवं जनहितैषी कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा।

कार्यक्रम में डॉ. अमिता तेलंग ,विभागाध्यक्ष कंप्यूटर विभाग, एवं छात्राएँ उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना एवं क्रीड़ा विभाग की क्रीड़ा अधिकारी, कार्यक्रम अधिकारी, डॉ. रात्रि लहरी द्वारा एवं आभार प्रदर्शन डॉ. रिंकू तिवारी क्रीड़ा अधिकारी ने किया। अंत में छात्राओं ने इस सार्थक आयोजन के लिए महाविद्यालय परिवार का आभार व्यक्त किया और ऐसे कार्यक्रमों के निरंतर आयोजन की अपेक्षा जताई।

हीरालाल महाविद्यालय अभनपुर अतिथि व्याख्याता इतिहास के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ

रायपुर। शासकीय काव्योपाध्याय हीरालाल महाविद्यालय अभनपुर में शैक्षणिक सत्र 2025-2026 के लिए अतिथि व्याख्याता इतिहास के पद पर अध्यापन कार्य हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किया गया है। आवेदक अपने समस्त प्रमाण पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज के साथ आवेदन, केवल रजिस्टर्ड डाक अथवा विशेष वाहक के माध्यम से 9 अक्टूर से 22 अक्टूबर 2025 तक कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकता है। अतिथि व्याख्याता इतिहास के संबंध में विस्तृत जानकारी महाविद्यालय की में उपलब्ध है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

इसमें कोई शक नहीं कि जब ग्लोबल स्टार नोरा फतेही स्क्रीन पर आती हैं, तो हर फ्रेम में धमाका होता है। आने वाली फिल्म थाम्मा के गाने दिलबर की आँखों का के साथ, नोरा एक बार फिर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रही हैं, एक ऐसा प्रदर्शन जो प्योर सिनेमाई आकर्षण है। नोरा की दमदार मौजूदगी, बेजोड़ एक्सप्रेशन्स और तेजतर्रार कोरियोग्राफी हर पल को पावर और ग्लैमर से भर देती है।

दिलबर की आंखों का सॉन्ग पर परफॉर्म करना बेहद रोमांचक अनुभव रहा, नोरा फतेही ने थाम्मा के सबसे बड़े पार्टी एंथम में बिखेरा जलवा

यह सिर्फ एक और गाना नहीं है — यह नोरा फतेही का जलवा है, जो एक बार फिर यह साबित करता है कि क्यों वह आज भी बॉलीवुड की सबसे एनर्जेटिक और आकर्षक परफॉर्मर बनी हुई हैं। पिछली बार जब नोरा ने स्त्री फिल्म के कमरिया में गाने से स्क्रीन पर धूम मचाई थी, तो इस गाने ने 43 करोड़ से ज़्यादा व्यूज़ के साथ ग्लोबल चार्ट्स पर छा गया और बॉलीवुड डांस एंथम्स के लिए एक नया बेंचमार्क सेट कर दिया। अब 'दिलबर की आंखों का' के साथ वह उस मुकाम को और ऊंचा उठा दिया हैं- जिसमें उन्होंने स्टाइल, पावर और भव्यता का ऐसा मिश्रण किया है, जिसे पहले ही साल का सबसे बड़ा डांस ट्रैक माना जा रहा है। इस अनुभव के बारे में बात करते हुए, नोरा फतेही ने कहा, दिलबर की आँखों का पर परफॉर्म करना मेरे लिए बेहद रोमांचक था। हर बीट को महसूस करना और यह जानना कि ऑडियंस भी साथ में थिरकना चाहेंगे, यह बहुत ही एक्साइटिंग बना दिया।

यह गाना पूरी तरह से धमाकेदार है और हाई-एनर्जी परफॉर्मेंस व आइकोनिक बॉलीवुड ग्लैमर का सिलसिला आगे बढ़ाता है – वही जोश जिसे दर्शक हमेशा मुझसे देखना पसंद करते हैं। कोरियोग्राफी दमदार है, हुक स्टेप आकर्षक है, और सेट पर हर पल ऐसा लगा जैसे मैं म्यूजिक की बीट के साथ थिरक रही हूँ। मैडॉक फिल्म्स के भव्य प्रोडक्शन द्वारा निर्मित, दिलबर की आँखों का सहज कोरियोग्राफी, शानदार स्टाइल और ऐसी विजुअल ट्रीटमेंट जो हर फ्रेम को बोल्ड, ग्लैमरस और इलेक्ट्रिफाइंग बना देती है। सोशल मीडिया पर नोरा के शानदार अभिनय की प्रशंसा और फैंस नोरा की तारीफों के पुल बांध रहे हैं, एक बात फिर से साफ हो गई है नोरा फतेही जैसा स्क्रीन पर कोई और प्रभावशाली नहीं है।

शनाया कपूर ने नहीं ली खुशी के साथ सेल्फी में दिलचस्पी, एक्ट्रेस ने बताई मजेदार वजह

बॉलीवुड अभिनेत्री खुशी कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक फोटो शेयर की है। इसमें वह अभिनेत्री शनाया कपूर के साथ सेल्फी लेती दिख रही हैं, लेकिन मजेदार बात यह है कि शनाया इस फोटो में कोई दिलचस्पी लेती दिखाई नहीं दी, इसलिए यह फोटो खराब हो गई।

खुशी कपूर ने इस तस्वीर को सोशल मीडिया पर साझा करके बताया कि उनकी सबसे करीबी दोस्त शनाया कपूर ने ऐसा क्यों किया। इस मजेदार बातचीत की शुरुआत शनाया कपूर के इंस्टाग्राम पोस्ट से हुई। शनाया ने इंस्टाग्राम पर एक समारोह की तीन तस्वीरें शेयर कीं। पहली दो तस्वीरों में शनाया अपनी मां महीप कपूर और भाई जहान कपूर के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। आखिरी तस्वीर में शनाया कैमरे से नजरें हटाते दिखाई दीं, जबकि खुशी उनके बगल में एक परफेक्ट पोज देते हुए मुस्कुरा रही हैं। इस तस्वीर पर कमेंट करते हुए खुशी कपूर ने बताया कि क्यों शनाया कपूर ने सेल्फी खराब कर दी। उन्होंने लिखा, तुम्हें मेरे साथ फोटो खिंचवाने से अधिक अपना डोसा खाने में दिलचस्पी है।

इस फोटो को खुशी कपूर ने अपनी इंस्टा स्टोरी में भी शेयर किया है। दोनों बहुत अच्छी दोस्त हैं। अक्सर उन्हें कई पार्टीज में साथ हैंगआउट करते स्पॉट किया गया है। फिल्मों की बात करें तो शनाया कपूर बहुत जल्द फिल्म तू या मै में अभिनेता आदर्श गौरव के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन बिजॉय नांबियार कर रहे हैं। यह एक रोमांस और सर्वाइवल थ्रिलर मूवी है। इस फिल्म को आनंद एल. राय, हिमांशु शर्मा, विनोद भानुशाली और कमलेश भानुशाली प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह फिल्म 2026 के वैलेंटाइन डे पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म का टीजर कुछ समय पहले मेकर्स ने शेयर करते हुए इस बात की जानकारी लोगों के साथ साझा की थी। फिल्म में गौरव और शनाया सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के रोल में दिखाई देंगी। इसके अलावा, उनके पास 'मुंज्या' फेम अभय वर्मा की एक फिल्म भी है। यह फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी, फिल्म का टाइटल और रिलीज डेट अभी तय नहीं हुई है। शनाया कपूर को पिछली बार फिल्म आंखों की गुस्ताखियां में देखा गया था। इसमें विक्रांत मैसी भी उनके साथ थे। वहीं खुशी कपूर को पिछली बार फिल्म नादानियां में देखा गया था। इसमें इब्राहिम अली खान, महिमा चौधरी, सुनील शेट्टी, दीया मिर्जा और जुगल हंसराज जैसे सितारे थे।

एक ही टेक में पूरा किया था मोना सिंह ने 3 इडियट्स का इमोशनल सीन

मोना सिंह भारतीय मनोरंजन जगत में बहुमुखी प्रतिभा और सादगी की प्रतीक हैं। 8 अक्टूबर 1981 को मुंबई में जन्मीं मोना ने करियर की शुरुआत टेलीविजन से की और आज वे छोटे पर्दे से लेकर सिल्वर स्क्रीन तक छाप छोड़ चुकी हैं। एक मिडिल-क्लास पंजाबी परिवार में पली-बढ़ी मोना ने संघर्ष और मेहनत से बॉलीवुड और ओटीटी में खास मुकाम हासिल किया है। मोना का टेलीविजन सफर 2003 में जस्सी जैसी कोई नहीं से शुरू हुआ था। इसके किरदार जस्सी वालिया ने उन्हें घर-घर में मशहूर कर दिया। इस शो ने उनकी सादगी और अभिनय को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। इसके बाद मोना सिंह ने एक्टिंग के साथ ही कई टीवी शो होस्ट किए। यहां भी उन्होंने अपना दम दिखाया।

मोना ने 2008 में फिल्म 3 इडियट्स में छोटी लेकिन प्रभावी भूमिका से बॉलीवुड में कदम रखा, जहां उनके किरदार ने दर्शकों का दिल जीता। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में छोटे और महत्वपूर्ण किरदार निभाए। वह लाल सिंह चड्ढा और मुंज्या जैसी फिल्मों में अपने किरदार को यादगार बनाती दिखीं।

मोना सिंह कई वेब सीरीज में भी अपने अभिनय का लोहा मनवा चुकी हैं। मेड इन हेवन की बुलबुल जौहरी हो या फिर कालापानी की डॉ. सौदामिनी सिंह, हर किरदार में उन्होंने अपनी छाप छोड़ी। उनके बारे में लोग कहते हैं कि वह जिस भी किरदार को हाथ लगाती हैं, वह पर्दे पर हमेशा-हमेशा के लिए याद रह जाता है। मोना सिंह की सबसे यादगार फिल्मों में से एक है राजकुमार हिरानी की ब्लॉकबस्टर 3 इडियट्स, जिसमें उन्होंने करीना कपूर की बड़ी बहन मोना सहस्त्रबुद्धे का किरदार निभाया। इस फिल्म से जुड़ा उनका किस्सा उनके प्रोफेशनलिज्म और समर्पण को दिखाता है, जहां एक छोटे से रोल के लिए उन्हें तकनीकी और भावनात्मक, दोनों ही चुनौतियों से गुजरना पड़ा।

इतनी बड़ी फिल्म में मोना सिंह का कुल शूटिंग शेड्यूल सिर्फ दो सप्ताह का था। इतने कम समय में उन्हें फिल्म के सबसे यादगार और भावनात्मक दृश्यों में से एक को निभाना था। इस सीन में वह बच्चे को मुश्किल परिस्थितियों में जन्म देती दिखाई देती हैं। फिल्म में वह गर्भवती महिला का किरदार निभा रही थीं, इसलिए उन्हें एक विशेष प्रोस्थेटिक बेली पहनना पड़ा। इस लुक को हर दिन सही करना और इस वेशभूषा में अभिनय करना अपने आप में एक चुनौती थी।

यह सीन सिर्फ भावनात्मक ही नहीं, बल्कि तकनीकी रूप से भी जटिल था। फिल्म में आमिर खान का किरदार रैंचो वीडियो कॉल पर डिलीवरी कराता है। मोना को रैंचो के निर्देशों पर प्रतिक्रिया देनी थी और डिलीवरी की पूरी प्रक्रिया को एकदम रियल दिखाना था। इतने बड़े कलाकारों के साथ एक ही टेक में यह सब करना आसान नहीं था। राजकुमार हिरानी की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए मोना ने सीमित समय में ही अपने किरदार की ईमानदारी को निभाया। यह सीन फिल्म के लिए न सिर्फ आइकॉनिक बना, बल्कि, मेन टर्निंग प्वाइंट भी था।

एक्ट्रेस कृति शेट्टी ने लेटेस्ट गाने अब्दी-अब्दी के लिए सीखा बेली डांस, अपने बिजीशेड्यूल से वक्त निकालना काफी मुश्किल

अभिनेत्री कृति शेट्टी बहुत जल्द दक्षिण भारतीय फिल्मों के अभिनेता के साथ फिल्म जीनी में दिखाई देंगी। इसका गाना अब्दी अब्दी बहुत जल्द रिलीज होगा। इस गाने के लिए खासतौर पर उन्होंने बेली डांस सीखा। कृति शेट्टी ने बताया कि इस गाने की तैयारी के लिए उन्हें अपने बिजी शेड्यूल से वक्त निकालना काफी मुश्किल रहा, फिर भी वह इसकी प्रैक्टिस के लिए जाती थीं। इस गाने में कल्याणी भी हैं, दोनों फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। गाने के रिलीज होने से पहले इनका बेली डांस करते हुए एक वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

इस गाने के बारे में बात करते हुए कृति ने कहा, जब मुझे फिल्म में बेली डांस के बारे में पता चला, तो मैं बेहद खुश हुई, क्योंकि जैसा कि हम जानते हैं, जीनी एक मध्य पूर्व का विचार है, जो अरेबियन नाइट्स की कहानियों में देखा गया है। इसलिए फिल्म में बेली डांस का होना पूरी तरह से फिट बैठता है। यह मुझे बेली डांस की दुनिया तक ले गया, और मैं व्यक्तिगत रूप से बहुत उत्साहित थी, क्योंकि मुझे डांस करना पसंद है और इसने मुझे एक नया डांस फॉर्म सीखने का शानदार मौका दिया।

उन्होंने बताया, मेरे लिए यह सीखना थोड़ा मुश्किल हो गया क्योंकि मैं चेन्नई में अपनी तीन तमिल फिल्मों की लगातार शूटिंग कर रही थी। मुझे अभ्यास करने का मौका केवल तभी मिलता था जब मैं मुंबई वापस आती थी और डांस क्लासेज में जाकर इसे सीखती थी। मैं वास्तव में वहां कुछ घंटे बिताती थी और इसमें काफी समय लगता था। खैर, मुझे नई चीजें सीखना बहुत पसंद है। यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत मजेदार था।

कृति ने यह भी बताया कि बेली डांस सीखना कोई आसान काम नहीं था, लेकिन पूरी लगन के साथ इसकी तैयारी में उन्होंने खुद को झोंक दिया। इस दौरान कमर को एक विशेष प्रकार से मूव करना सबसे कठिन रहा। बताया जा रहा है कि इस गाने में बेमिसाल कोरियोग्राफी, शानदार दृश्य और एक आकर्षक धुन है।

मुंबई की फिल्म सिटी बनेगी वर्ल्ड-क्लास, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने किया वादा

मुंबई में चल रहे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन फिक्की फ्रेम्स में बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को साथ देखा गया। इस दौरान मंच से एक्टर ने सीएम से कई सवाल पूछे और सीएम ने सवालों का जवाब देते हुए फिल्म नायक का किस्सा भी शेयर किया। इसके अलावा, एक्टर ने मुंबई के विकास और फिल्म सिटी के विकास पर भी सवाल पूछे, और सीएम फडणवीस ने गोरेगांव को वर्ल्ड-क्लास बनाने की बात कही। कार्यक्रम में अक्षय कुमार ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से पूछा कि बॉम्बे का विकास हो चुका है, लेकिन हमारी फिल्म सिटी गोरेगांव पर आपकी दृष्टि कब पड़ेगी?

इस सवाल का जवाब देते हुए सीएम ने कहा कि मेरी बहुत इच्छा थी फिल्म इंडस्ट्री के इंटरनेशनल फिल्म इकोसिस्टम को बदलूं, इसके बारे में इंडस्ट्री के बड़े लोगों से बात भी हुई, लेकिन किन्हीं कारणों से हो नहीं पाया, लेकिन अब मैंने ठान लिया है कि मुंबई की फिल्म सिटी को वर्ल्ड-क्लास बनाएंगे। उन्होंने आगे कहा, यहां आईआरसीटीसी सहित कई बड़े स्टूडियो आने वाले हैं। अब फिल्म मेकिंग का पूरा तरीका बदल चुका है। वीएफएक्स, एडिटिंग, प्रोडक्शन और वर्चुअल लोकेशन्स का दौर है। हमें उसी हिसाब से एक अत्याधुनिक फिल्म सिटी तैयार करनी होगी। सीएम ने आगे कहा, अगले चार सालों में इस पूरे एरिया को ट्रांसफॉर्म किया जाएगा, ताकि मुंबई की फिल्म सिटी भी दुनिया की प्रमुख फिल्म सिटीज की तरह एक आइकॉनिक डेस्टिनेशन बने।

इसी के साथ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने खुलासा किया कि कैसे अनिल कपूर की फिल्म नायक उनके लिए मुसीबत बन गई। कार्यक्रम में किस्सा शेयर कर सीएम ने कहा कि फिल्म नायक के बाद मुझे बहुत परेशानी हुई क्योंकि उस फिल्म में अनिल कपूर एक दिन के लिए सीएम बनते हैं और दुनिया को बदल देते हैं। लोग मुझसे उम्मीद करते हैं कि मैंने ऐसा क्यों नहीं किया, जैसा अनिल कपूर ने कर दिया। सीएम ने आगे कहा कि जनता अनिल कपूर को नायक और मुझे नालायक समझने लगी, लेकिन मैं अपनी पूरी कोशिश कर रहा हूं कि सभी उद्देश्य पूरे हों।

इसके अलावा कार्यक्रम में अक्षय कुमार ने सीएम फडणवीस से पुलिस के जूते बदलने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि पुलिस के जूतों की एड़ी बड़ी होती है, जिससे चलने और दौड़ने में परेशानी होती है। वहीं एक्टर ने अपनी अपकमिंग फिल्म हैवान के बारे में भी बताया जिसमें वो निगेटिव रोल कर रहे हैं।

वायु प्रदूषण से बढ़ा गठिया का खतरा, विशेषज्ञों ने जताई चिंता

अब तक यह माना जाता था कि रूमेटॉइड आर्थराइटिस यानी गठिया ज्यादातर आनुवांशिक कारणों या शरीर की रोग-प्रतिरोधक प्रणाली में गड़बड़ी के कारण होता है। लेकिन अब वैज्ञानिक और डॉक्टर यह बता रहे हैं कि खराब वायु गुणवत्ता भी इस बीमारी के बढ़ने की बड़ी वजह बन रही है। यूरोप, चीन और अब भारत में हुए हालिया अध्ययनों से पता चलता है कि पीएम 2.5 नामक छोटे कण जो हवा में रहते हैं और फेफड़ों के अंदर तक पहुंच जाते हैं, वे न केवल फेफड़ों और दिल की बीमारियों का कारण बनते हैं, बल्कि जोड़ों की सूजन और दर्द की इस बीमारी को भी बढ़ावा दे रहे हैं।

एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट

दिल्ली स्थित एम्स के रूमेटोलॉजी विभाग की प्रमुख डॉ. उमा कुमार ने कहा, 'जो लोग प्रदूषित इलाकों में रहते हैं और जिनके परिवार में इस बीमारी का इतिहास नहीं है, उनमें भी गठिया के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। हवा में

मौजूद जहरीले कण शरीर में सूजन बढ़ाते हैं। इससे जोड़ों को नुकसान पहुंचता है और बीमारी तेजी से फैलती है। यह समस्या अब एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बन चुकी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।'

यह एक पुरानी बीमारी है और इसका कोई स्थायी इलाज नहीं

डॉ. कुमार ने बताया कि भारत में करीब 1 प्रतिशत वयस्क इस बीमारी से पीड़ित हैं, लेकिन हवा के प्रदूषण के कारण यह संख्या और बढ़ सकती है। यह चिंता की बात है क्योंकि रूमेटॉइड आर्थराइटिस एक पुरानी बीमारी है और इसका कोई स्थायी इलाज नहीं है, बस लक्षणों को नियंत्रित किया जा सकता है। डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में प्रोफेसर और रुमेटोलॉजिस्ट डॉ. पुलिन गुप्ता ने बताया कि प्रदूषित इलाकों में रहने वाले मरीजों में गठिया अधिक गंभीर रूप में देखने को मिल रहा है। ये मरीज सामान्य मरीजों की तुलना में अधिक तकलीफ में हैं।

अपनी दिनचर्या में करना होगा बदलाव

अभी कई शोधों से यह भी साबित हुआ है कि पीएम 2.5, नाइट्रोजन ऑक्साइड और ओजोन जैसे हवा के प्रदूषक जोड़ों की बीमारी के खतरे को बढ़ाते हैं। खासकर उन लोगों में जिनके जीन में इस बीमारी का खतरा होता है, वे और भी ज्यादा प्रभावित होते हैं। जो लोग ट्रैफिक वाले इलाकों के करीब रहते हैं, उनमें भी गठिया की संभावना अधिक होती है क्योंकि वहां हवा और भी ज्यादा प्रदूषित होती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि यह बीमारी आज के समय में बड़ी चुनौती बन गई है। इसे रोकने के लिए सिर्फ दवा लेना ही काफी नहीं है। लोगों को खुद भी , जैसे प्रदूषण वाले इलाकों से दूर रहना, बाहर निकलते समय मास्क पहनना, और स्वस्थ जीवनशैली अपनाना। इसके साथ ही सरकार और स्थानीय प्रशासन को भी कदम उठाने होंगे। शहरों में हरियाली बढ़ानी होगी, प्रदूषण पर सख्त नियंत्रण लगाना होगा, और साफ-सुथरे और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन के विकल्प बढ़ाने होंगे।

धान खरीदी के लिए ऑनालाइन मिलेगा टोकन, पारदर्शिता लाने 7 दिन के भीतर होगा भुगतान, साय कैबिनेट का निर्णय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में शुक्रवार को यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में राज्य के किसानों से खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। राज्य में 25 लाख से अधिक किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी 15 नवम्बर से प्रारंभ होगी। इस बार टोकन तुंहर हाथ मोबाईल एप के माध्यम से होगी ऑनलाईन टोकन की व्यवस्था की जा रही है। यही नहीं अधिक पारदर्शिता के साथ किसानों को 7 दिन भीतर भुगतान किया जाएगा।

कैबिनेट के महत्वपूर्ण निर्णय

धान के व्यपवर्तन एवं पुर्नचक्रण को रोकने की चौकस व्यवस्था व धान खरीदी हेतु मजबूत प्रशासनिक ढांचा

टोकन तुंहर हाथ मोबाईल एप के माध्यम से होगी ऑनलाईन टोकन की व्यवस्था। किसानों का मिलेगी सोसायटियों में लंबी कतारों से मुक्ति

राज्य शासन के द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में छत्तीसगढ प्रदेश के किसानो से दिनांक 15 नवम्बर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक धान खरीदी करने का निर्णय लिया गया है।

उक्त अवधि में 25 लाख किसानो से 3100 रूपये प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ की सीमा तक धान की खरीदी की जावेगी।

धान खरीदी में पारदर्शिता को बढावा देने इस वर्ष ई-केवाईसी के माध्यम से, भारत सरकार कृषि मंत्रालय के एग्रीस्टेक पोर्टल में किसान पंजीयन को अनिवार्य किया गया है, जिससे किसान की सहीं पहचान हो एवं डुप्लीकेशन/दोहराव न हो। पंजीयन 31 अक्टूबर 2025 तक कराया जा सकता है।

डिजीटल क्राप सर्वे के माध्यम से 23 लाख हेक्टेयर रकबे का सर्वे कराया गया है जिसके फ्लस्वरूप धान के रकबे का ऑनलाईन निर्धारण डिजीटल रूप से सुनिश्चित हुआ है।

प्रदेश के 20,000 ग्रामों में दिनांक 02 अक्टूबर से डिजीटल क्राप सर्वे एवं मैन्यूअल गिरदावरी के डेटा को ग्रामसभा में पठन-पाठन कराया जा रहा है।

किसानों को बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने हेतु टोकन तुहर हाथ मोबाईल एप के माध्यम से ऑनलाईन टोकन की व्यवस्था की गई है इसके तहत किसान स्वयं अपने सुविधा अनुसार दिनों में धान विक्रय किये जाने हेतु टोकन काट सकेगें।

वास्तविक किसानों से धान खरीदी सुनिश्चित करने हेतु बायोमैट्रिक आधारित धान की खरीदी की जावेगी।

2739 खरीदी केन्द्रो के माध्यम से धान खरीदी किये जाने हेतु समितियों में समुचित व्यवस्था किये जाने के निर्देश दिये गये है।

समितियों को खरीद विपणन वर्ष 2025-26 में शून्य सुखत आने पर 05 रूपये प्रति क्विंटल के मान से प्रोत्साहन दिया जायेगा।

धान खरीदी हेतु आवश्यकतानुसार नये एवं पुराने जूट बारदाने की व्यवस्था किये जाने के निर्देश दिये गये है।

खाद्य विभाग भारत सरकार द्वारा खरीफवर्ष 2025-26 हेतु केन्द्रीय पूल में 73 लाख मीट्रिक टन चावल का लक्ष्य दिया गया है।

प्रदेश में धान की रिसाईकलिंग रोके जाने एवं बेहतर मॉनिटरिंग व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने हेतु पहली बार इंटिग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेंटर मार्कफेड कार्यालय में स्थापित किये जाने का निर्णय लिया गया है। जिलों में भी कंट्रोल रूम बनाए जाएंगे।

धान खरीदी केन्द्रो में बेहतर एवं सुगम व्यवस्था हेतु कलेक्टर द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों को खरीदी केन्द्र प्रभारी बनाने का निर्णय लिया गया है।

सीमावर्ती राज्यों से खरीदी केन्द्रो धान की आवक रोके जाने हेतु विशेष चेकिंग दल जिलेस्तर पर गठित किये जाने के निर्देश दिये गये है।

धान के परिवहन व्यवस्था अंतर्गत मितव्ययता को सुनिश्चित किये जाने हेतु धान के उठाव व परिवहन, भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए गए हैं।

डीएमएफ से शिक्षकों की नियुक्ति से कोरबा जिले के विद्यालयों में लौटी रौनक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कोरबा जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने और दूरस्थ अंचलों में शिक्षकों की कमी दूर करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) से बड़ी पहल की गई है। इस योजना के तहत हायर सेकेंडरी विद्यालयों में 118 लेक्चरर, माध्यमिक शालाओं में 109 शिक्षक और प्राथमिक शालाओं में 243 सहायक शिक्षकों की नियुक्ति की गई है।

इससे शिक्षकों की कमी से प्रभावित विद्यालयों में अब अध्यापन व्यवस्था नियमित हो गई है। पचरा, श्यांग, कटमोरगा जैसे सुदूर गांवों के विद्यालयों में सभी विषयों की कक्षाएं सुचारू रूप से संचालित हो रही हैं। नई नियुक्तियों से जहां विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है, वहीं स्थानीय शिक्षित युवाओं को रोजगार के अवसर भी प्राप्त हुए हैं।

कलेक्टर अजय अग्रवाल के निर्देशन में यह प्रक्रिया पारदर्शिता और पात्रता के आधार पर पूरी की गई। साथ ही विशेष पिछड़ी जनजातियों जैसे पहाड़ी कोरवा और बिरहोर समाज के पात्र अभ्यर्थियों को भी प्राथमिकता दी गई है, जिससे उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने में सहायता मिली है। जिले में शिक्षकों के साथ-साथ 310 भृत्यों की नियुक्ति भी की गई है, डीएमएफनिधि से कार्यरत शिक्षकों के मानदेय में भी इस सत्र से वृद्धि की गई है।

हायर सेकेंडरी व्याख्याताओं को 15,000 रूपए, मिडिल स्कूल शिक्षकों को 13,000 रूपए, प्राथमिक शिक्षकों को 11,000रूपए और भृत्यों को 8,500 रूपए मासिक मानदेय मिलेगा।

सुशासन की नई पहल : ऑनलाईन छात्रवृत्ति और शिष्यवृत्ति भुगतान के लिए समय-सीमा निर्धारित

मुख्यमंत्री ने 1.98 लाख विद्यार्थियों के खाते में 84.66 करोड़ रूपए की शिष्यवृत्ति एवं छात्रवृति ऑनलाईन अंतरित की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर राज्य के शैक्षणिक संस्थानों, आश्रम-छात्रावासों और तकनीकी एवं प्रोफेशनल पाठ्यक्रम में पढ़ाई करने वाले अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को शिष्यवृत्ति एवं छात्रवृत्ति का भुगतान अब उनके बैंक खाते में ऑनलाईन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने आज मंत्रालय, महानदी भवन में आयोजित कार्यक्रम में इन वर्गों के 1.98 लाख विद्यार्थियों के बैंक खातों में 84.66 करोड़ रूपए की शिष्यवृत्ति एवं छात्रवृत्ति ऑनलाईन अंतरित की।

प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने बताया कि प्री. मैट्रिक, पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति तथा शिष्यवृत्ति भुगतान के लिए नयी व्यवस्था में माह जून, सितंबर, अक्टूबर एवं दिसंबर में विद्यार्थियों को ऑनलाईन भुगतान किया जाएगा। इस पहल से छात्रों को शैक्षणिक अध्ययन के दौरान होने वाली आर्थिक समस्या से निजात मिलेगी। छात्रवृत्ति पहले विद्यार्थियों को दिसंबर एवं फरवरी-मार्च में वर्ष में एक बार छात्रवृति एवं शिष्यवृति की राशि प्रदान की जाती थी।

प्रमुख सचिव बोरा ने बताया कि मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में सुशासन की दिशा में लगातार हो रहे इन प्रयासों से शासन-प्रशासन को पूर्व की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक जवाबदेही एवं पारदर्शी बनाया गया है। श्री बोरा ने बताया कि मुख्यमंत्री साय के हाथों आज आश्रम-छात्रावासों के 1 लाख 86 हजार 50 विद्यार्थियों को शिष्यवृति की द्वितीय किश्त की राशि 79 करोड़ 27 लाख रूपए एवं पो. मैट्रिक छात्रवृत्ति के 12 हजार 142 विद्यार्थियों को 5 करोड़ 38 लाख 81 हजार रूपए विद्यार्थियों के बैंक खातों में राशि अंतरित की गई है।

प्रमुख सचिव बोरा ने बताया कि विद्यार्थियों को शिष्यवृत्ति और छात्रवृत्ति ऑनलाईन भुगतान की शुरूआत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के हाथों पहली बार 10 जून 2025 को की गई थी। राज्य में संचालित सभी प्री. मैट्रिक छात्रावास एवं आश्रमों को शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने के पूर्व ही शिष्यवृति की प्रथम किश्त राशि 77 करोड़ रूपए एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रावासों में अध्ययनरत छात्रों हेतु भोजन सहाय की प्रथम किश्त के रूप में राशि 8.93 करोड़ रूपए, इस प्रकार कुल 85 करोड़ रूपए की राशि जारी कर एक अभिनव पहल की गई थी। साथ ही इसके दूसरे चरण में 17 जून 2025 को 8370 विद्यार्थियों को छात्रवृति की राशि 6.2 करोड़ रूपए का ऑनलाइन अंतरण किया गया था।

इस अवसर पर आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरू खुशवंत साहेब, पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, आदिम जाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक विकास विभाग के आयुक्त डॉ. सारांश मित्तर भी उपस्थित थे।

सौर सुजला योजना से सिंचाई सुविधा में हो रहा विस्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में किसानों को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा सौर सुजला योजना का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत किसानों को सोलर पम्प उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे अब वर्षा पर निर्भर रहने वाले खेतों में भी सिंचाई की सुविधा सुलभ हो गई है। परिणामस्वरूप किसान अब वर्ष में दोहरी फसल लेकर अपनी आय दोगुनी कर रहे हैं।

जिले के विकासखण्ड रामचन्द्रपुर के ग्राम झारा के किसान मुनेश्वर प्रसाद यादव ने सौर सुजला योजना से लाभ लेकर अपनी खेती को नई दिशा दी है। उनके पास 5 एकड़ भूमि है, जिसमें पहले केवल 2 एकड़ ही सिंचित थी। क्रेडा विभाग की सहायता से सोलर पम्प लगवाने के बाद अब पूरी भूमि पर सिंचाई संभव हो गई है। यादव अब धान के साथ-साथ साग-सब्जियों की खेती भी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पहले खरीफसीजन में लगभग 60 हजार रुपये की आमदनी होती थी, जबकि सोलर पम्प लगने के बाद अब वार्षिक आय बढ़कर करीब 1 लाख रुपये तक पहुँच गई है।

छत्तीसगढ़ में जूट की खेती को बढ़ावा देने की तैयारी

जूट की खेती पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण सह किसान सम्मेलन आयोजित, छत्तीसगढ़ में जूट की खेती को बढ़ावा देने की तैयारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जूट की खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने हेतु विगत दिवस इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, में एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण सह वैज्ञानिक किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण छत्तीसगढ़ में जूट की उन्नत खेती और उत्पादन विधियों पर आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण जूट की खेती परियोजना के तहत आईबीआईटीएफ द्वारा वित्त पोषित और आईआईटी भिलाई के सहयोग से आयोजित किया गया।

इस प्रशिक्षण में राष्ट्रीय जूट बोर्ड के वैज्ञानिक डॉ. नीलेन्दु भौमिक और तकनीकी सहायक ने जूट से यांत्रिक फाइबर निष्कर्षण पर व्याख्यान दिया है। उन्होंने बारीक निष्कर्षण को आसान बनाने के लिए एक रिबनर मशीन का प्रदर्शन किया है। आईआईटी भिलाई के निदेशक डॉ. राजीव प्रकाश और इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान संचालक डॉ. विवेक त्रिपाठी ने प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावी बनाया। डॉ. राजीव प्रकाश ने रेशेदार फसलों के पारिस्थितिक महत्व के बारे में जानकारी देते हुए किसानों को संबोधित किया। उन्होंने रेशे की गुणवत्ता पर रेटिंग प्रक्रिया के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों से छत्तीसगढ़ में पूर्व की तरह जूट की खेती फिर से शुरू करने का आह्वान किया। डॉ. विवेक त्रिपाठी ने किसानों से खरीफ के लिए चावल के अलावा अन्य विकल्पों पर विचार करने को कहा। उन्होंने कहा कि किसान खरीफ में चावल उगाने से पहले ग्रीष्मकालीन फसल के रूप में जूट की खेती कर सकते हैं। इससे किसानों को पारिश्रमिक मिलेगा और उनकी आजीविका में सुधार होगा।

जूट परियोजना की सह अन्वेषक डॉ. प्रज्ञा पांडे ने जूट की उन्नत खेती की पद्धतियों पर व्याख्यान दिया। डॉ. अरुण उपाध्याय ने एंजाइमेटिक रेटिंग तकनीक पर व्याख्यान दिया। इस सम्मेलन में धमतरी और रायपुर के 30 किसानों ने कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया और व्याख्यान, मशीन प्रदर्शन और जूट के अवलोकन के माध्यम से जूट उत्पादन के बारे में जानकारी प्राप्त की।

अपराध नियंत्रण में नई तकनीक एक सशक्त कदम

सिमगा में उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने किया सिटी सर्विलांस का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने शुक्रवार को बलौदाबाज़ार-भाटापारा जिले के सिमगा नगर में सिटी सर्विलांस सिस्टम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने थाना परिसर में स्थापित सीसीटीवी सिटी सर्विलांस कक्ष का अवलोकन कर नगर की निगरानी व्यवस्था की जानकारी ली। कार्यक्रम में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, कलेक्टर दीपक सोनी, पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता, जनपद अध्यक्ष दौलत राम पाल, जनपद सदस्य चंद्रप्रकाश टोंड्रे सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित थे।

अपने उद्बोधन में उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार अपराध नियंत्रण और जनता की सुरक्षा के लिए आधुनिक तकनीक का अधिकतम उपयोग कर रही है। सिमगा नगर में सिटी सर्विलांस की शुरुआत इस दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि सिमगा नगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित है, जहां कई औद्योगिक इकाइयाँ संचालित हैं और विभिन्न प्रांतों से लोग आते-जाते रहते हैं। ऐसे में किसी भी आपराधिक घटना के तुरंत बाद उसकी पहचान और अपराधियों की तलाश अब सीसीटीवी नेटवर्क से सहज और तेज़ हो जाएगी। उन्होंने बताया कि शहर में 40 उच्च गुणवत्ता वाले कैमरे लगाए गए हैं, जो दिन-रात समान रूप से कार्य करने में सक्षम हैं और वाहन के नंबर प्लेट तक को स्पष्ट रूप से कैद कर सकते हैं। इससे अपराध नियंत्रण, दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा ट्रैफिक प्रबंधन में उल्लेखनीय सुधार आएगा।

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि सिटी सर्विलांस व्यवस्था शहर की तीसरी आँख साबित होगी। अब किसी भी घटना पर तुरंत निगरानी रखी जा सकेगी और अपराधियों को पकड़ने में पुलिस को ठोस सबूत मिल सकेंगे। कार्यक्रम में कलेक्टर दीपक सोनी और पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता ने भी इस पहल को शहर की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण बताया।

उन्होंने कहा कि निगरानी तंत्र से न केवल अपराधों में कमी आएगी बल्कि लोगों में भी सुरक्षा का विश्वास बढ़ेगा।इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमसागर सिदार, स्थानीय जनप्रतिनिधि, नगर पंचायत अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे। सिटी सर्विलांस की यह पहल सिमगा को तकनीकी रूप से सशक्त और सुरक्षित नगर के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पीएम जनमन ने दिलाया पहाड़ी कोरवाओं को शासकीय योजनाओं का लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहलाने वाले विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय में आने वाले पहाड़ी कोरवा अपनी विलक्षण संस्कृति और सरल स्वाभाव के लिए प्रसिद्ध हैं। इस जनजाति के लोग पहाड़ी क्षेत्रों में ऊंचे पहाड़ों पर दूर-दूर अपने घर बनाकर निवास करते हैं, परन्तु समय के साथ यह विशेषता ही उनके लिए चुनौतियां लेकर आई हैं। दुर्गम ऊंचे पहाड़ों में निवास करने के कारण शासकीय योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचाना कष्टकर हो रहा था।

पहाड़ी कोरवाओं को शासकीय जनहितकारी योजनाओं का लाभ मिले इस हेतु प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना लायी गई थी, पर विस्तृत भू-भाग में पहाड़ी क्षेत्रों में सीमित जनसंख्या स्तर के कारण वे इसके लाभ से वंचित थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के द्वारा सभी तक शासन की पहुंच सुनिश्चित करने एवं सभी के समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए विशेष रूप से प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जनमन) विशेष पिछड़ी जनजातियों के क्षेत्रों के विकास के लिए लायी गई। इसके मापदण्डों में परिवर्तन कर सौ लोगों की जनसंख्या होने पर भी उन्हें मुख्य मार्ग से जोड़ने का कार्य किया गया। जिसके तहत जशपुर जिले के बगीचा विकासखण्ड के पहाड़ी कोरवा ग्राम हेठसेमर को सन्ना-रौनी मुख्य मार्ग से जोड़ा गया। जिसमें 3.67 करोड़ रुपए की लागत से पांच किमी लंबी सड़क का निर्माण किया गया। इस रास्ते में दुर्गम पहाड़ और उथले पाट भी शामिल थे।

खास खबर

2250 किलो महुआ लाहन और 07 लीटर महुआ शराब जब्त

मुंगेली। जिले में अवैध शराब निर्माण एवं विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत आबकारी विभाग की टीम ने लोरमी विकासखण्ड के ग्राम शिकारीडेरा में कार्रवाई करते हुए 07 लीटर कच्ची महुआ शराब एवं 2250 किलोग्राम महुआ लाहन जब्त किया है। जिला आबकारी अधिकारी रविशंकर साय ने बताया कि जब्त सामग्री के संबंध में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धाराओं के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि जिले में अवैध शराब के कारोबार पर कड़ाई से नियंत्रण लगाने के लिए जांच पड़ताल और इसमें संलिप्त लोगों के विरूद्ध कार्रवाई का यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

बच्चेदानी का ऑपरेशन, टांका खुलवाने हुई भर्ती, इलाज के दौरान महिला की मौत

राजनांदगांव। इलाज के दौरान महिला की मौत के मामले में स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हुआ है। शुक्ला मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल राजनांदगांव में ग्राम रीवागहन निवासी मरीज दौपदी साहू को 24 सितम्बर को भर्ती किया गया था। जिसके बाद मरीज के बच्चेदानी का ऑपरेशन किया गया। मरीज को टांका खुलवाने के लिए 6 अक्टूबर को दोपहर 3.50 बजे भर्ती किया गया था, जिसकी इलाज के दौरान 9 अक्टूबर को मौत हो गई। मरीज की मृत्यु के पश्चात मरीज के परिजनों द्वारा इलाज में लापरवाही होने के कारण मृत्यु होने का आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर का घेराव किया गया। सीएमएचओ डॉ. नेतराम नवरतन एवं टीम ने मरीज के परिजनों से बात की एवं शुक्ला मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल की जांच की गई। 9 अक्टूबर को ही विशेषज्ञों की पांच सदस्यीय जांच टीम का गठन कर सात दिवस के भीतर घटना की जांच कर अभिमत सहित जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किए जाने निर्देशित किया गया।

राजधानी में गार्ड का मर्डर, शराब दुकान बंद होने से नाराज बदमाश ने लोहे की रॉड से मारा

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में बीती राज शराब की दुकान के गार्ड का मर्डर हो गया। शराब की दुकान बंद होने के बाद एक युवक पहुंचा और शराब मांगने लगा। गार्ड ने कहा कि दुकान बंद हो गई शराब नहीं मिलेगी। फिर क्या था उसने लोहे के रॉड से गार्ड पर हमला कर दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। दरअसल यह पूरा मामला रायपुर के खम्हारडीह थाना क्षेत्र का है। रात 10 बजे शराब की दुकान बंद हो गई और लगभग 10:30 बजे युवक पहुंचा और शराब मांगने लगा। गार्ड ने कहा कि दुकान बंद हो गई और शराब अब नहीं मिलेगी। इसके बाद उसने गार्ड से बहस की और वहां से चला गया। कुछ देर बाद लगभग 11 बजे वह फिर से लौटा। उसके हाथ में लोहे का रॉड था। रॉड से उसने गार्ड को मारा और वहां से भाग गया। रॉड के वार से गार्ड की मौत हो गई। मृतक गार्ड संदीप पटेल (35 साल) बलौदाबाजार के ग्राम सुंदरी का रहने वाला था। हाल ही में वह मोवा पंडरी में रह रहा था। घटना की सूचना के बाद खम्हारडीह पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। घटना के बाद पुलिस ने नाकेबंदी की और आरोपी की तलाश शुरू की। चंद घंटों में ही खम्हारडीह थाना पुलिस ने आरोपी भींगराज बघेल को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है।

एसएसपी सिंह ने किया 500 किलो गांजा नष्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में शुक्रवार 10 अक्टूबर 2025 को नशे के कारोबार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की गई। जिले के विभिन्न थानों में दर्ज 60 एनडीपीएस एक्ट प्रकरणों में जप्त मादक पदार्थों को विधिसम्मत तरीके से नष्ट किया गया। यह नष्टीकरण प्रक्रिया केन्द्र सरकार, गृह मंत्रालय, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) के दिशा-निर्देश और पुलिस मुख्यालय रायपुर के आदेश पर गठित जिला स्तरीय ड्रग डिस्पोजल कमेटी की निगरानी में संपन्न हुई। इस कार्रवाई में कुल 499.236 किलोग्राम मादक पदार्थ, जिसमें 480.536 किलोग्राम गांजा और 18.700 किलोग्राम डोडा शामिल था, को रायपुर के सिलतरा स्थित निजी पावर प्लांट की भट्ठी/फर्नेस में जलाकर नष्ट किया गया।

नष्टीकरण की कार्यवाही की अध्यक्षता पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह ने की। उनके साथ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर, उपायुक्त आबकारी राजेश कुमार शर्मा, निरीक्षक राजेन्द्र दीवान (थाना प्रभारी धरसीवां) तथा उनि राजेन्द्र कंवर (प्रभारी सिलतरा चौकी) उपस्थित रहे। कार्रवाई को पूरी पारदर्शिता और विधिक प्रक्रिया के तहत किया गया। मादक पदार्थों को नष्ट करने से पूर्व सभी प्रकरणों का विधिवत सत्यापन किया गया। इसके बाद पर्यावरण विभाग की अनुमति प्राप्त कर जनसामान्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मादक पदार्थों को नियंत्रित तापमान पर पावर प्लांट के फर्नेस में जलाकर नष्ट किया गया।

पुलिस के अनुसार, एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत जब्त किए गए मादक पदार्थों को अदालत की अनुमति और नारकोटिक्स ब्यूरो के दिशा-निर्देशों के अनुसार ही नष्ट किया गया। यह कार्रवाई जिला पुलिस और प्रशासन की संयुक्त पहल रही, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि जब्त माल का पुनः दुरुपयोग न हो। इस दौरान कमेटी सदस्यों ने पूरे नष्टीकरण प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग कराई ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की जांच या सत्यापन के लिए प्रमाण मौजूद रहें।

रायपुर पुलिस ने इस मौके पर कहा कि जिले में नशे के कारोबार पर रोक लगाने के लिए सघन अभियान लगातार जारी है। एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामलों में आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है और जब्त किए गए मादक पदार्थों को नियमानुसार नष्ट किया जा रहा है। एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने कहा कि, नशे की लत समाज को खोखला कर रही है। पुलिस का उद्देश्य सिर्फ अपराधियों को पकड़ना नहीं, बल्कि समाज से नशे की जड़ को समाप्त करना है। इस तरह के नष्टीकरण अभियान समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं। पुलिस की अपील पुलिस प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे नशे के कारोबार या उपयोग से जुड़े किसी भी व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा। रायपुर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि ड्रग-फ्री रायपुर की दिशा में इस तरह की कार्रवाई भविष्य में भी जारी रहेगी।

इंडोर स्टेडियम परिसर में चाकू के साथ बदमाश युवक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। इंडोर स्टेडियम परिसर में चाकू के साथ बदमाश युवक गिरफ्तार हो गया है,पुलिस द्वारा आगामी त्यौहार को मद्देनजर रखते हुए एवं अपराध नियंत्रण एवं शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु धमतरी शहर में एवं थाना क्षेत्रों में सतत पेट्रोलिंग की जा रही है। इसी दौरान थाना सिटी कोतवाली धमतरी की पेट्रोलिंग टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति आमातालाब स्थित इंडोर स्टेडियम परिसर में हाथ में धारदार चाकू लेकर लोगों को डरा-धमका रहा है। पुलिस टीम द्वारा तुरंत मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई, जहाँ एक युवक चाकू लहराते हुए लोगों में दहशत फैला रहा था। टीम ने उसे पकड़कर पूछताछ की, जिस पर उसने अपना नाम प्रदीप बंजारे पिता महेश बंजारे उम्र 25 वर्ष, निवासी रामसागर पारा, जैतखाम के पास धमतरी बताया।

गवाहों की उपस्थिति में आरोपी के कब्जे से एक धारदार बटंची चाकू बरामद किया गया। आरोपी का कृत्य आमजन में भय एवं असुरक्षा की भावना उत्पन्न करने वाला पाया गया। शहर में बढ़ती चाकूबाजी की घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु आरोपी के विरुद्ध थाना सिटी कोतवाली धमतरी में अपराध क्रमांक दर्ज कर धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया तथा उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया। आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड पूर्व में आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 69/2020 धारा 294, 336, 506, 34 भा.दं.वि. के तहत अपराध दर्ज है।

नाबालिग को बहला फुसलाकर किया दुष्कर्म, युवक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

अंबिकापुर। सरगुजा जिले की थाना दरिमा पुलिस ने नाबालिग बालिका से दुष्कर्म करने के मामले में आरोपी युवक सुखलाल अगरिया (24 वर्ष) को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी ने पीड़िता को शादी का झांसा देकर बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाकर जबरन दुष्कर्म किया था। जानकारी के अनुसार, यह घटना 3 अगस्त 2025 की है। पीड़िता अपने पिता और नाबालिग पुत्री के साथ खेत में धान रोपने गई थी। उसी दौरान पीड़िता खाना खाने के बहाने घर जाने की बात कहकर निकली, लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजनों ने आसपास और रिश्तेदारों में खोजबीन की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। इसके बाद पीड़िता की मां ने आशंका जताई कि कोई अज्ञात व्यक्ति उसकी बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले गया है।

इस पर पीड़िता की मां ने थाना दरिमा में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 118/25 धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया और जांच शुरू की। पुलिस टीम ने लगातार प्रयास करते हुए पीड़िता को आरोपी सुखलाल अगरिया के कब्जे से बरामद किया। आरोपी सुखलाल अगरिया पिता जगरनाथ अगरिया, निवासी अमदला, थाना लखनपुर है। पीड़िता का बयान महिला पुलिस अधिकारी द्वारा दर्ज किया गया, जिसमें उसने बताया कि आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाकर दुष्कर्म किया। पुलिस ने मामले में धारा 87, 65(2) बीएनएस और पॉक्सो एक्ट की धारा 4, 6 जोड़ते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी दरिमा निरीक्षक भरतलाल साहू, सहायक उप निरीक्षक नेतराम पैकरा और प्रधान आरक्षक शत्रुधन सिंह की सक्रिय भूमिका रही।

स्थानीय पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई पूरी तरह से प्रमाणिक सबूतों और पीड़िता के बयान पर आधारित है। पुलिस ने ग्रामीण समुदाय को चेतावनी दी है कि इस तरह की घटनाओं की सूचना तुरंत स्थानीय थाने को दें, ताकि अपराधियों को पकड़कर न्याय दिलाया जा सके। सुरक्षा और न्याय सुनिश्चित करने के लिए थाना दरिमा पुलिस ने ग्रामीणों से सहयोग मांगा है। पीड़िता को मानसिक और शारीरिक रूप से सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक चिकित्सीय और मनोवैज्ञानिक सहायता भी प्रदान की गई है।

इस घटना ने सरगुजा जिले में नाबालिगों की सुरक्षा और ग्रामीण इलाकों में सतर्कता की आवश्यकता को उजागर किया है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि पॉक्सो एक्ट और संबंधित धाराओं के तहत सख्त कार्रवाई से भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सकेगा। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे अपनी बेटियों और नाबालिग बच्चों की सुरक्षा में सतर्क रहें और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें। इस गिरफ्तारी से क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ प्रशासन और पुलिस की सख्त कार्रवाई का संदेश गया है।

तिल्दा-नेवरा में निर्माणाधीन रेलवे अंडर पासिंग से प्लेट चोरी करने वाले चढ़े पुलिस के हत्थे

रायपुर। निर्माणाधीन रेलवे अंडर पासिंग से प्लेट चोरी करने वाले गिरफ्तार किए गए है, प्रार्थी रामेश्वर आडिल निवासी हाऊसिंग बोर्ड कालोनी कोहका थाना तिल्दा नेवरा जिला रायपुर ने थाना तिल्दा नेवरा में रिपोर्ट कराया कि वह स्वास्तिपक ग्रुप रायपुर में साईड इंजीनियर का कार्य करता है, स्वास्तिक ग्रुप द्वारा ग्राम खपरीकला में रेल्वे अंडर पासिंग का निर्माण कार्य उसकी निगरानी में किया जा रहा है। 8 अक्टूबर को सुबह करीब 4 बजे चौकीदार गोविंद निषाद ने प्रार्थी को फोन कर बताया कि कुछ व्यक्ति आकर निर्माणाधीन रेल्वे अंडर पासिंग स्थल खपरीकला में रखें एमएस प्लेट 8 एमएम को गैस कटर से काट कर चारपहिया वाहन में लोड कर चोरी कर ले गये, कि प्रार्थी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध थाना तिल्दा नेवरा में अपराध क्रमांक 452/25 धारा 303(2), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन व थाना प्रभारी तिल्दा नेवरा के नेतृत्व में थाना तिल्दा नेवरा पुलिस की टीम का गठन किया गया। टीम के सदस्यों ने आरोपियों द्वारा चोरी की घटना को अंजाम देने हेतु अपने साथ लाये चारपहिया वाहन के संबंध में जानकारी एकत्र करने के साथ ही प्रकरण में मुखबीर लगाये गये। इसी दौरान आरोपियों के संबंध में जानकारी प्राप्त हुई तथा आरोपियों की पहचान तिल्दा नेवरा रायपुर निवासी रामचंद देवांगन उर्फ रामचंद वस्त्रकार एवं दीप साहू के रूप में किया जाकर दोनों की पतासाजी करते हुये दोनों को पकड़ा गया। पूछताछ आरोपियों ने चोरी की घटना को अंजाम देना स्वीकार किया गया। आरोपी रामचंद देवांगन उर्फ रामचंद वस्त्रकार एवं दीप साहू को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की 08 एमएम का 03 एमएस प्लेट तथा चोरी की घटना में प्रयुक्त चापहिया वाहन क्रमांक सी जी 04 एन के 3677 जुमला कीमती लगभग 3,10,000 रुपये जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध कार्यवाही किया गया।

लोहे के रिंग लगे ट्रैक्टरों को सड़क पर चलाने परिवहन विभाग ने लगाई रोक

दंतेवाड़ा। लोहे के रिंग लगे ट्रैक्टरों को सड़क पर चलाने परिवहन विभाग ने रोक लगाई है, कार्यालय जिला परिवहन अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ऐसे ट्रैक्टर जिनके टायरों में लोहे का रिंग लगा हो, उनका प्रयोग केवल खेती-किसानी के कार्यों में खेतों तक सीमित रखा जाना चाहिए। ऐसे रिंग लगे ट्रैक्टरों का ग्रामीण क्षेत्रों की सामान्य सड़कों या सीमेंट सड़कों पर आवागमन किए जाने से सड़कों को नुकसान पहुँच रहा है। यह कार्य मोटर वाहन अधिनियम के विरुद्ध है तथा इससे दुर्घटना की संभावना भी बढ़ जाती है। अतः ऐसे वाहनों को यदि सामान्य या सीमेंट सड़कों पर चलते पाया जाता है, तो उनके विरुद्ध मोटरयान अधिनियम के तहत चालानी कार्यवाही की जाएगी, जिसके लिए वाहन स्वामी स्वयं जिम्मेदार होंगे। जिला परिवहन अधिकारी, दंतेवाड़ा द्वारा समस्त वाहन स्वामियों को यह सूचना दी जाती है कि वे अपने रिंग लगे ट्रैक्टरों का प्रयोग केवल खेतों में करें और उन्हें सामान्य सड़कों पर न चलाएँ।

3 सबसे बड़े नशा तस्कर ओडिशा से गिरफ्तार, जर्मन पिस्टल जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ओडिशा की बरगढ़ पुलिस ने नशा कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने छत्तीसगढ़ के रायपुर से कफ सिरप सप्लाई करने पहुंचे तीन युवकों समेत कुल 15 नशा कारोबारियों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपितों के पास से 1500 बोतल प्रतिबंधित कोडीन युक्त कफसिरप, देसी पिस्तौल, 20 जिंदा कारतूस, 16 मोबाइल फोन, पांच चारपहिया वाहन और 57 हजार रुपए नकद जब्त किए गए हैं। बरगढ़ पुलिस अधीक्षक प्रह्लाद सहाय मीणा ने सोमवार शाम जिला पुलिस कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में इस पूरे अभियान की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने नशा माफियाओं के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई के लिए पांच विशेष टीमों का गठन किया था, जो अलग-अलग थानों में जांच और छापेमारी कर रही थीं।

बरगढ़ पुलिस के अनुसार रविवार की रात बरगढ़ टाउन पुलिस ने गणपति होटल के पास तीन संदिग्ध युवकों को संदिग्ध स्थिति में पकड़ा। तलाशी लेने पर उनके पास से देसी पिस्तौल, कारतूस और कफ सिरप की बोतलें बरामद हुईं। पूछताछ में पता चला कि तीनों युवक छत्तीसगढ़ के रायपुर के रहने वाले हैं और बरगढ़ के स्थानीय नशा कारोबारियों को कफसिरप सप्लाई करने आए थे। गिरफ्तार युवकों की पहचान हरदीप सिंह संधू, मोहम्मद अशरफऔर सैय्यद अजीम के रूप में हुई है। इनमें से सैय्यद अजीम फिलहाल ओडिशा के बरगढ़ जिला के पाईकमाल में रह रहा था और वहीं से नेटवर्क को संचालित कर रहा था। पुलिस ने बताया कि ये लोग ओडिशा के विभिन्न जिलों में नशे की दवाओं की अवैध सप्लाई कर रहे थे।

रायपुर के आरोपितों से पूछताछ में बरगढ़ समेत आसपास के कई जिलों में फैले नशा नेटवर्क का खुलासा हुआ। इसके बाद पुलिस की अन्य टीमों ने बरगढ़ सदर, बिजेपुर और अताबिरा थाना क्षेत्रों में एक साथ छापेमारी की। इस दौरान 12 अन्य नशा कारोबारियों को भी गिरफ्तार किया गया। काशीराम नगर निवासी दीप जो रायपुर में अवैध शराब का कारोबार करता है वो आज इसी राकेट का हिस्सा बनकर ओडिसा जेल में सजा काट रहा है।

गिरफ्तार आरोपियों में ओडिशा के विभिन्न जिलों के नाम सामने आए हैं जिनमें भद्रक जिला: राशिद शाह केंद्रापाड़ा जिला: प्रीतम बिस्वाल जगतसिंहपुर जिला: संबित परिजा बलांगीर जिला: बाबलू बेहरा बरगढ़ जिला: प्रफुल्ल रणा, हरिप्रसाद सेठ, तुषार वल्लभ राउतिया, बबलू शत्पथी, अंकुश बल, श्रीकांत बेहरा, मनीष अग्रवाल उर्फ कालू और पिंटू साहू बरगढ़ जिले से गिरफ्तार आठों आरोपित लंबे समय से इलाके में कोडीन युक्त कफ सिरप और अन्य प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि रायपुर से आने वाली खेप को ये लोग खुदरा में बेचकर मोटा मुनाफा कमाते थे।

एसपी प्रह्लाद सहाय मीणा जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार सभी आरोपियों के खिलाफएनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि रायपुर और ओडिशा के बीच फैले इस नेटवर्क का लिंक अन्य राज्यों तक भी फैला हो सकता है। बरगढ़ पुलिस अब रायपुर पुलिस के साथ मिलकर इस गिरोह के सप्लाई चेन की गहराई से जांच कर रही है। एसपी ने कहा, हमारा उद्देश्य केवल गिरफ्तारी नहीं, बल्कि इस अवैध नशा व्यापार की पूरी श्रृंखला को तोड़ना है। कफ सिरप का दुरुपयोग युवा वर्ग के भविष्य के लिए गंभीर खतरा बन गया है। इसलिए पुलिस इस तरह के माफियाओं के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। छत्तीसगढ़ से ओडिशा तक फैल रहा कफ सिरप नेटवर्क छत्तीसगढ़ से सटे ओडिशा के जिलों में बीते कुछ महीनों में कफ सिरप तस्करी के कई मामले सामने आए हैं।

रायपुर, बलौदा बाजार, महासमुंद और सरायपाली से बरगढ़, बलांगीर और भुवनेश्वर तक तस्कर सप्लाई चैन बना चुके हैं। नशे के रूप में इस्तेमाल किए जाने वाले कोडीन फॉस्फेट सिरप को कई जगह सस्ता नशा कहा जाता है, जो युवाओं में तेजी से फैल रहा है। इस सिरप का अत्यधिक सेवन लत का रूप लेता है और कई बार जानलेवा भी साबित होता है। जांच जारी, नेटवर्क के बड़े सप्लायरों तक पहुंचेगी पुलिस बरगढ़ पुलिस ने बताया कि जब्त मोबाइल फोनों और ऑनलाइन ट्रांजैक्शन की जांच की जा रही है, जिससे यह पता लगाया जा सके कि सप्लाई कहां-कहां तक पहुंच रही थी। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि रायपुर, बालांगीर और केंद्रापाड़ा में कई फर्मा डीलर और सप्लाई एजेंट इस नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं। जांच पूरी होने के बाद पुलिस मुख्य आरोपियों के खिलाफ गिरोहबंदी अधिनियम के तहत भी कार्रवाई की तैयारी कर रही है।

कार्यालय सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय दुर्ग (छत्तीसगढ़)

क्रमांक/ जि. चि. /2025/ 9640 दुर्ग, दिनांक 08/10/2025

जिला चिकित्सालय दुर्ग के एम.सी.एच. विंग में गर्भवती माताओं के थायरॉईड जांच हेतु "द्वितीय" निविदा-आमंत्रण

जिला चिकित्सालय दुर्ग के एम.सी.एच. विंग में गर्भवती माताओं के थायरॉईड जांच (एक वर्ष) के लिए मुहरबंद खुली "द्वितीय निविदा" आमंत्रित की जाती है।

निविदा प्रपत्र (नियम एवं शर्ते) अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से ₹ 500.00 जमा कर कार्यालयीन दिवस में प्राप्त किया जा सकता है जो वापसी योग्य नहीं है।

निविदा प्रपत्र (नियम एवं शर्ते) का मूल्य	500/- (अक्षरी पांच सौ रूपये मात्र) जो वापसी योग्य नहीं है।
निविदा फार्म की विक्रय की तिथि एवं समय	विज्ञापन प्रकाशित तिथि से दिनांक 24.10.2025 को शाम 05.00 बजे तक
निविदा फार्म जमा करने की निर्धारित अंतिम तिथि एवं समय	दिनांक 29.10.2025 दोपहर 02.00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	दिनांक 29.10.2025 शाम 04.00 बजे
निविदा फार्म प्राप्त करने का निर्धारित स्थल	जिला चिकित्सालय दुर्ग के कार्यालय का कक्ष क्रमांक-33/35

जी - 252604076/3

सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक दुर्ग (छत्तीसगढ़)

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

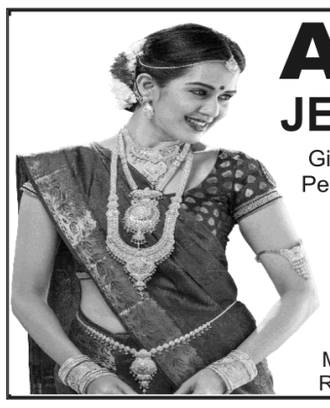
Ashok
JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

राकेश ट्रेडर्स
राकेश ट्रेडर्स जो चर्च के पास था वह आगे चला गया है पिछले दस वर्षों से
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Swami Aatmanad School, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

गौरवशाली 25 वर्ष

हमर छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प

छत्तीसगढ़ शासन सत्यमेव जयते

विकास और विश्वास का नया दौर

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

उद्योग

सन् 2000

- औद्योगिक योगदान राज्य की अर्थव्यवस्था में लगभग 30%
- प्रमुख रूप से खनन और इस्पात आधारित उद्योग
- सीमित निवेश, बड़े औद्योगिक क्षेत्रों की कमी

सन् 2025

- औद्योगिक योगदान: 42.4%
- इस्पात सौर बिजली उत्पादन में देश के अग्रणी राज्यों में
- बड़े औद्योगिक निवेश, क्षेत्र का विस्तार और औद्योगिक पार्क स्थापित

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

सुशासन से समृद्धि की ओर

Visit us : ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

RO- 45320/2

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950